राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 304 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,09 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

भारत ने बनाई कोरोना की दवा

एंटी कोविड ड्रग 2-डीजी को इमरजेंसी यूज के लिए अप्रूवल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना से जारी लड़ाई के खिलाफ एक राहत भरी खबर आई है। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने शनिवार को ड्रग 2-डीऑक्सी-डी-ग्लूकोज (2-डीजी) दवा से कोरोना के इलाज को इमरजेंसी अप्रूवल दे दिया है। कोरोना संक्रमित मरीज के लिए यह एक वैकल्पिक इलाज होगा। जिन मरीजों पर इस दवा का इस्तेमाल किया गया, उनकी आरटी-पीसीआर रिपोर्ट भी निगेटिव आई।

ये दवा कोरोना मरीजों में संक्रमण की ग्रोथ रोककर उन्हें तेजी से रिकवर करने में मदद करती है। 2-डीजी दवा को डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) की लैब इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन ने डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरी की मदद से तैयार किया है। शुरूआती ट्रायल में पता चला है कि इससे मरीज के ऑक्सीजन लेवल में भी सुधार होता है।

दिसंबर 2020 से मार्च 2021 तक 220 कोरोना मरीजों पर तीसरे फेज का ट्रायल किया गया। ये ट्रायल दिल्ली, यूपी, पश्चिम बंगाल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु के 27 अस्पतालों में किया गया। ट्रायल के दौरान तीसरे दिन मरीजों की ऑक्सीजन पर निर्भरता 42 प्रतिशत से घटकर 31 प्रतिशत हो गई। खास बात ये हैं कि 65 साल से ज्यादा उम्र के मरीजों पर भी दवा का पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिखा।

अप्रैल 2020 में, कोविड - 19 महामारी की पहली लहर के दौरान वैज्ञानिकों ने हैदराबाद की सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी की मदद से 2-डीजी को लैब में टेस्ट किया। स्टेंडर्ड ऑफ केयर मानक से तुलना करें तो दवा लेने वाले मरीजों में ढाई दिन के अंदर ही तेजी से बदलाव देखे गए।

दवा पाउडर के रूप में मिलती है। इसे पानी में घोलकर मरीज को पिलाना होता है। ये दवा सीधे उन कोशिकाओं तक पहुंचती है जहां संक्रमण होता है और वायरस को बढे से रोक देती है। लैब टेस्टिंग में पता चला कि ये कोरोना वायरस के खिलाफ काफी प्रभावी है। डीआरडीओ ने बयान जारी कर कहा है कि इसका उत्पादन भारी मात्रा में आसानी से किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश कैदियों को करें रिहा

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 के मामलों में अभूतपूर्व वृद्धि पर संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को जेलों में भीड़ कम करने का निर्देश देते हुए कहा कि जिन कैदियों को पिछले साल महामारी के मद्देनजर जमानत या पैरोल दी गई थी उन सभी को फिर वह सुविधा दी जाए।

प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की एक पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर बनाई गई राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की उच्चाधिकार प्राप्त समितियों द्वारा पिछले साल मार्च में जिन कैदियों को जमानत की मंजूरी दी गई थी, उन सभी को समितियों द्वारा पुनर्विचार के बगैर पुनः वह राहत दी जाए, जिससे विलंब से बचा जा सके। कोर्ट की वेबसाइट पर शनिवार को अपलोड हुए आदेश में कहा गया, इसके अलावा हम निर्देश देते हैं कि जिन कैदियों को हमारे पूर्व के आदेशों पर पैरोल दी गई थी उन्हें भी महामारी पर लगाम लगाने की कोशिश के तहत फिर से 90 दिनों की अवधि के लिये पैरोल दी जाए।

एक फैसले का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत ने अधिकारियों से कहा कि उन मामलों में यांत्रिक रूप से गिरफ्तारी से बचें जिनमें अधिकतम सजा सात वर्ष की अवधि की है।

पीठ ने उच्चाधिकार प्राप्त समितियों को निर्देश दिया कि वे राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशानिदेर्शों को अपनाते हुए नए कैदियों की रिहाई पर विचार करें।

भारत में कोरोना के खिलाफ लड़ाई लगातार जारी, 12 राज्यों में लॉकडाउन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश कोरोना महामारी की दूसरी लहर के खिलाफ एक लड़ाई लड़ रहा है। लगातार बढ़ रहे संक्रमण को देखते हुए कई राज्यों में पाबंदियां बढ़ा दी गई हैं। कुछ राज्यों में लॉकडाउन की घोषणा की जा चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को भारत ने 401,078 नए मामले देश में सामने आए। इसके साथ ही कोरोना के कुल मामले 2 करोड़ 18 लाख से अधिक हो गए। इस बीमारी ने कल 4187 लोगों की जान ले ली। कई राज्यों ने पहले ही कोरोना के संक्रमण के प्रसार को तोड़ने के लिए अपने स्तर पर प्रतिबंध लगाए हैं। कई मुख्यमंत्रियों ने तो अपने राज्यों में लॉकडाउन लगा रखा है।

पीएम मोदी ने कोविड उपचार और टीके के लिए डब्ल्यूटीओ में ट्रिप्स छूट के समर्थन का आग्रह किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में यूरोपीय नेताओं से कोविड से संबंधित उपचार और टीके के लिए डब्ल्यूटीओ में ट्रिप्स छूट का समर्थन करने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के निमंत्रण पर विशेष आमंत्रित के रूप में यूरोपीय परिषद की बैठक में भाग लिया। भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक की मेजबानी पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा ने की। वर्तमान में, यूरोपीय संघ के परिषद की अध्यक्षता पुर्तगाल के पास है।

इससे पहले भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में संकट की घड़ी में भारत की मदद को फ्रांस-स्पेन समेत कई देशों ने सराहा। उन्होंने भारत को कोरोना संक्रमण में हरसंभव मदद का भरोसा दिया। भारत-यूरोपीय संघ के राष्ट्राध्यक्षों एवं शासनाध्यक्षों की शिखर बैठक में सभी नेताओं ने कोरोना महामारी पर नियंत्रण में मदद करने का आश्वासान दिया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि भारत को वैक्सीन आपूर्ति के बारे में किसी से भाषण सुनने की आवश्यकता नहीं है। भारत ने मानवता के लिए बहुत से देशों को निर्यात किया है। हम जानते हैं कि भारत किस स्थिति में है।

यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन से सरकार के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि सभी नेताओं ने व्यक्तिगत रूप से पिछले साल भारत के चिकित्सा आपूर्ति करने पर धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि कोविड की सबसे खराब स्थिति के दौरान भारत ने मदद की। नेताओं ने कहा कि वे सभी भारत के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त कर रहे हैं और जो भी सहायता प्रदान कर सकते हैं, प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्पेन के प्रधानमंत्री ने पिछले साल सबसे खराब समय के दौरान स्पेन को मिली भारतीय सहायता को विशेष रूप से गर्मजोशी से याद किया। शिखर सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी को बेल्जियम के पीएम ने केम छो कहकर पीएम मोदी का स्वागत किया। सभी देशों ने पिछले साल कोरोना से लड़ने में मिली भारत की मदद को याद किया और कहा कि भारत को हरसंभव मदद दी जाएगी। यह दूसरी बार है जब यूरोपीय संघ के सभी प्रमुखों ने किसी अन्य राष्ट्र प्रमुख से शीर्ष वार्ता की।

ज्ञात रहे कि प्रधानमंत्री का भारत-यूरोपीय संघ शिखर बैठक में हिस्सा लेने पुर्तगाल जाने का कार्यक्रम था लेकिन देश में कोविड-19 के संक्रमण की दूसरी लहर के कारण उत्पन्न संकट को देखते हुए यह यात्रा स्थगित कर दी गई थी और दोनों पक्षों ने डिजिटल माध्यम से बैठक करने का निर्णय किया था।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 588.02 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 अप्रैल को खत्म सप्ताह में 3.913 अरब डॉलर बढ़कर 588.02 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।इससे पहले 23 अप्रैल को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 1.701 अरब डॉलर का इजाफा हुआ, जिसके बाद वह बढ़कर 584.107 अरब डॉलर हो गया था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले कुछ महीनों से लगातार बढ़ रहा है। इस वर्ष 29 जनवरी को खत्म सप्ताह के दौरान यह 590.185 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा भंडार पिछले वर्ष जून में पहली बार 500 अरब डॉलर के पार पहुंचा था। आरबीआई के मुताबिक समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) में 4.413 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। इससे इन परिसंपत्तियों का मूल्य बढ़कर 546.059 अरब डॉलर पर जा पहुंचा।

भाजपा आज कर सकती है असम के नए मुख्यमंत्री की घोषणा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी नीत एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिल है। हालांकि अभी तक मुख्यमंत्री पद के लिए किसी नाम की घोषणा नहीं हुई है। असम के वर्तमान मुख्यमंत्री सबार्नंद सोनोवाल दोबोरा मुख्यमंत्री बनेंगे या फिर हिमंत बिस्व सरमा को पार्टी मौका दे सकती है, इसको लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। आज दोनों ही नेताओं को दिल्ली तलब किया था, जहां पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पर गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में बैठक हुई। दिल्ली छोड़ने से पहले हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि आज गुवाहाटी में बीजेपी विधायक दल की बैठक होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि इस बैठक के बाद सभी सवालों के जवाब मिल जाएंगा। असम के नए मुख्यमंत्री को लेकर लगाई जा रही अटकलों के बीच, राज्य में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं सबार्नंद सोनोवाल और हिमंत बिस्व सरमा ने पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से यहां शनिवार को मुलाकात की। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने असम में अगली सरकार के नेतृत्व को लेकर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को असम के निवर्तमान मुख्यमंत्री सवार्नंद सोनोवाल एवं स्वास्थ्य मंत्री हिमंत बिस्व सरमा को दिल्ली बुलाया था। सूत्रों ने बताया कि दोनों नेता शनिवार सुबह दिल्ली पहुंच गए, लेकिन पहले सरमा नड्डा और भाजपा महासचिव (संगठन) बी एल संतोष से मुलाकात करने नड्डा के आवास पहुंचे। बाद में शाह भी वहां पहुंचे। सरमा के जाने के बाद सोनोवाल ने भी भाजपा के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। इन बैठकों में इस बात पर भी मुख्य रूप से वार्ता हुई कि अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा। बैठकों में असम में अगली सरकार के गठन को लेकर चर्चा की गई। असम के सोनोवाल-कचहरी आदिवासी समुदाय से संबंध रखने वाले सोनोवाल और उत्तर पूर्व लोकतांत्रिक गठबंधन के संयोजक सरमा मुख्यमंत्री पद के मजबूत दावेदार हैं। भाजपा ने असम में चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद के अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की थी। पार्टी ने 2016 विधानसभा चुनाव में सोनोवाल को इस पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया था और चुनाव जीता था। इसी के साथ पूर्वोत्तर में भगवा दल की पहली सरकार गठित हुई थी। इस बार,पार्टी ने कहा था कि वह चुनाव के बाद फैसला करेगी कि असम का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा।

शहरों में तबाही मचा गांवों की ओर बढ़ा कोरोना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना महामारी ने अब गांवों में पैर पसार दिया है। रुद्रपुर के छपौली गांव में 6 मई को जहां पिता-पुत्री की मौत हो गई वहीं बैदा गांव में सात दिन में 12 लोगों की जान जा चुकी है। छपौली गांव निवासी अयोध्या वर्मा पुत्र अभिमन्यु की पुत्री लीली वर्मा को सांस लेने में तकलीफ हो रहा थी। परिजन उसे इलाज के लिए गोरखपुर ले गए। वहां जांच में कोरोना पॉजिटिव पाए जाने पर वह भर्ती हो गई। उसका इलाज चल रहा था। इधर रात में अयोध्या की तबियत खराब हो गई और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। सुबह उनकी मौत हो गई। दिन में लीली ने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया। बैदा गांव में गुरुवार को रिटायर शिक्षक बेचन अली, रेलवे के अवकाश प्राप्त कर्मचारी रमाशंकर पाल और बैरिस्टर चौहान की मौत हो गई। इन सभी लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रहा थी। प्रधान रामेश्वर पाल ने बताया कि दो मई से लेकर चार मई के बीच मुखलाल निषाद, प्रदीप कन्नौजिया, शंकर पासवान, रामनिवास यादव, मीरा देवी, उर्मिला देवी, किशोरी देवी की मौत सांस लेने में तकलीफ के चलते हुई है। रमाशंकर पासवान बीडीसी के प्रत्याशी थे। मतगणना से पहले ही एक मई की रात में उनकी तबियत खराब हो गई। गणना के दिन तीन बजे दिन में जिला अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी। इस संबंध में सीएचसी रुद्रपुर के अधीक्षक डॉ.दिनेश यादव ने कहा कि बैदा गांव में फोकस सेम्पलिंग कराने के लिए निर्देश दे दिया गया है। इस घटना की जानकारी होने के बाद 7 मई को बैदा गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची। सीएचसी रुद्रपुर अधीक्षक डॉ.दिनेश यादव के नेतृत्व में टीम बैदा गांव पहुंची। टीम ने पीड़ित परिवार के घर के सदस्यों की कोरोना जांच की। अधीक्षक डॉ.दिनेश यादव ने बताया कि बैदा में 58, पचरुखा में 28 व तिघरा खैरवा गांव में 27 लोगों का एंटीजन किट से जांच की गई है। जिसमें एक भी व्यक्ति संक्रमित नहीं मिला। टीम में डॉ.एसएन मणि, डॉ.सुशील कुमार मल्ल, डॉ.उमाशंकर जायसवाल, डॉ.किरन वर्मा, फार्मासिस्ट मनीष, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी एलबी चौधरी, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक विकास कुमार, एलटी पीएन सिंह, रितेश राज राव व शब्रे आलम शामिल रहे।

कार्टून

भारत-ब्राजील ने वैज्ञानिकों की सलाह को किया नजरअंदाज

लंदन, (एजेंसी)। प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल नेचर ने अपने संपादकीय में आरोप लगाया है कि भारत-ब्राजील ने वैज्ञानिकों की सलाह को नजरअंदाज किया, इसलिए वे अब परिणाम भुगत रहे हैं। इस लेख में दोनों ही देशों में कोरोन संकट को राजनीतिक विफलताओं का परिणाम बताया गया है। नेचर ने लिखा कि भारत और ब्राजील में नेता या तो विफल रहे हैं, या फिर उन्होंने रिसर्चर्स की सलाह पर काम करने में ढिलाई बरती है। इससे लाखों लोगों के जीवन को सीधा-सीधा नुकसान पहुंचा है। मैगजीन ने ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो पर भी निशाना साधा। लिखा कि बोलसोनारो ने कोरोना वायरस को लगातार छोटा बुखार बताया। उन्होंने तो मास्क पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग जैसी वैज्ञानिकों की सलाह को मानने से भी इनकार कर दिया। इस मैगजीन ने भारत के बारे में भी तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत के नेताओं ने आवश्यकतानुसार निर्णायक रूप से कार्य नहीं किया है।

दाहरण के रूप में उन्होंने कोरोना वायरस के संक्रमण के बावजूद लोगों के इकट्ठा होने की अनुमति दी। कुछ मामलों में तो नेताओं ने इसे प्रोत्साहित भी किया। जाहिर सी बात है कि मैगजीन ने भारत में चुनावी जनसभाओं को कोरोना के लिए जिम्मेदार बताया। नेचर ने उदाहरण देते हुए बताया कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कोविड के खतरों से निपटने में ढिलाई बरती थी। उन्होंने भी चुनावी जनसभाओं को कर लोगों की खूब भीड़ बटोरी। इन रैलियों में सोशल डिस्टेंसिंग की जमकर धज्जियां उड़ाई गई। इसका परिणाम पूरी दुनिया ने देखा। कई महीनों तक अमेरिका कोरोना वायरस के कहर से जूझता रहा। अमेरिका में इस बीमारी से 570,000 से अधिक मौतें दर्ज की हैं, जो आज भी पूरी दुनिया में सबसे अधिक है। इस साइंस जर्नल ने अपने वर्ल्ड व्यू के एक लेख का हवाला

देते हुए कहा कि भारत में पिछले साल सितंबर में दैनिक कोरोना मामलों की संख्या 96000 तक पहुंच गई थी। इस साल मार्च की शुरूआत में जब यह संख्या घटकर 12000 प्रतिदिन तक पहुंच गई तो भारत के नेता आत्मसंतुष्ट हो गए। इस दौरान कारोबार फिर से खुल गए। बड़ी संख्या में रैलिया हुईं, जिनमें विवादास्पद नए कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी शामिल हैं। मार्च और अप्रैल में चुनावी रैलियां हुईं और धार्मिक आयोजन भी जारी रहे।

मैगजीन ने लिखा कि भारत में कई समस्याएं भी हैं। यहां वैज्ञानिकों को कोरोना वायरस की रिसर्च के लिए डेटा तक पहुंचना भी आसान नहीं है। यही कारण है कि वे सरकार को साक्ष्य आधारित सलाह देने और सटीक भविष्यवाणियां नहीं कर पाते हैं। ऐसे डेटा के न होने के बावजूद वैज्ञानिकों ने पिछले साल सितंबर में सरकार को कोरोना प्रतिबंधों में ढील देने को लेकर चेतावनी दी थी। उन्होंने यह भी कहा था कि महीने के अंत में कोरोना की दूसरी लहर से एक दिन में एक लाख से भी ज्यादा मामले सामने आ सकते हैं। हालांकि, वास्तविकता इससे चार गुनी ज्यादा है। मालूम हो कि भारत और ब्राजील में कोरोना वायरस का नया और घातक स्ट्रेन जमकर कहर बरपा रहा है। पिछले हफ्ते भारत में जहां कोरोना से मरने वालों की तादाद 2 लाख से ज्यादा हो गई वहीं, ब्राजील में यह आंकड़ा 4 लाख से भी ऊपर पहुंच गया है।

जयशंकर और डोमिनिक रॉब ने किया भारत-ब्रिटेन रणनीतिक साझेदारी का स्वागत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके ब्रिटिश समकक्ष डोमिनिक रॉब ने भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी का स्वागत किया है। ब्रिटिश उच्चायोग ने कहा कि दोनों नेताओं ने इस पर भी मंथन किया है कि कैसे समन्वित प्रयासों से गहन सहयोग को अंजाम दिया जा सकता है। जयशंकर और रॉब के बीच वर्चुअल बैठक के एक दिन बाद ब्रिटिश विदेश, राष्ट्रमंडल व विकास कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा, दोनों नेताओं ने जलवायु परिवर्तन, कोरोना वायरस जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एकसाथ मिलकर काम करने की अहमियत पर गौर किया। साथ ही घातक साइबर हमलों समेत तमाम साझा खतरों से मिलकर निपटने पर भी बात की। उन्होंने कहा, दोनों मंत्रियों ने इस सप्ताह की शुरूआत में घोषित किए गए व्यापार साझेदारी को बढ़ाने जैसी प्रमुख उपलब्धियों को सराहा। व्यापार साझेदारी बढ़ाने से बाजार की बाधाएं हटेंगी और ब्रिटेन व भारत में नई नौकरियों के सृजन में मदद मिलेंगी। खासतौर पर विज्ञान व तकनीक जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में इससे बेहद मदद मिलेगी।

दक्षिण अफ्रीका में मुस्लिम, हिंदू और यहूदी शादियों को मान्यता देने का मुद्दा उठा

जोहानिसबर्ग, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका में हिंदू और मुस्लिम रीति-रिवाजों से हुई शादियों में पति-पत्नियों के सामने आ रही मुश्किलों पर ग्रीन पेपर में विचार कर रहा है। साथ ही महिलाओं के एक से ज्यादा पति होने के विवादित मुद्दे पर भी विचार किया जा रहा है। इस ग्रीन पेपर को अगले माह के अंत तक जनता की टिप्पणियों के लिए जारी किया गया है। विभिन्न पक्षकारों से महीनों तक व्यापक चर्चा करने के बाद यह पत्र तैयार किया गया है। गृह मामलों के विभाग (डीएचए) ने ग्रीन पेपर में कहा, मुस्लिम, हिंदू और यहूदी शादियों को मान्यता देने का मुद्दा उठा।

पक्षकारों ने विधायी माध्यमों से इन शादियों को मान्यता देने की तत्काल आवश्यकता का मुद्दा उठाया। इसमें कहा गया है, पहले की विसंगतियों को खत्म करने के प्रयासों के बावजूद मौजूदा विवाह कानूनों में कुछ सांस्कृतिक और धार्मिक समुदायों की शादियों को कानूनी मान्यता नहीं दी गई है। इसमें कुछ अफ्रीकी समुदायों में हुई इस्लामी और हिंदू शादियां शामिल हैं और साथ ही ट्रांसजेंडरों की शादियां भी शामिल हैं। मौजूदा विवाह कानून के तहत हिंदू, मुस्लिम तथा अन्य धार्मिक विवाह अधिकारी शादियां करा सकते हैं, लेकिन शादी डीएचए में पंजीकृत भी होनी चाहिए क्योंकि धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ की गई शादी की कोई कानूनी वैधता नहीं है। डीएचए ने कहा, चर्चा में बहुविवाह का मुद्दा भी विवादित रहा। कुछ पक्षकारों ने बहुविवाह प्रथा में विश्वास जताया जबकि कुछ ने इसका विरोध किया।

पक्षकारों के साथ बाचतीत में खुलासा हुआ कि अदालतों ने मुस्लिम शादियों में पति/पत्नियों को विवाह संबंधित कई अधिकार दिए हैं, जबकि हिंदू और अन्य धर्मों के लोगों को कम अधिकार दिए गए हैं जिससे इन धार्मिक शादियों के पास मुस्लिमों की शादियों के मुकाबले कम और कमजोर अधिकार हैं। डीएचए ने कहा कि हिंदू शादियों में तलाक एक कलंक है जो महिलाओं को अनिश्चितता की स्थिति में छोड़ देता है।

कानून में ऐसी शादियों को संरक्षण नहीं दिया गया है,इससे स्थिति जटिल होती है। इन सब मुद्दों से निपटने के लिए ग्रीन पेपर में सभी मान्यता प्राप्त सांस्कृतिक और धार्मिक अधिकारों के संरक्षण के वास्ते नए विवाह कानूनों के लिए तीन विकल्पों का प्रस्ताव दिया गया है। इसमें मौजूदा विवाह कानून में संशोधन, एक विवाह या बहुविवाह को मान्यता देना शामिल हैं।

डब्लूएचओ ने माना, हवा से फैल सकता है कोरोना

लंदन, (एजेंसी)। कोरोना को महामारी घोषित करने के लगभग एक साल बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने आखिर मान लिया है कि कोरोना का वायरस हवा से भी फैल सकता है। डब्लूएचओ के अनुसार वायरस खराब वेंटिलेशन या भीड़ वाली बंद जगहों में भी फैल सकता है, जहां लोग लंबे समय तक रहते हैं, क्योंकि एयरोसोल हवा में एक मीटर से भी ज्यादा दूर तक जा सकते हैं। दरअसल, डब्लूएचओ ने कोरोना से जुड़े सवालों के जवाब अपडेट किए हैं। इनमें इस सवाल का जवाब भी शामिल है कि लोगों के बीच कोरोना कैसे फैलता है माना जा रहा है कि इसके बाद कोरोना से बचने की नई गाइडलाइंस सामने आ सकती हैं। संगठन अब तक कहता आया था कि इस बात के पर्याप्त सबूत नहीं हैं कि कोरोना हवा से भी फैलता है।

कोरोना फैलने के शुरूआती महीनों में तो डब्लूएचओ ने सभी को मास्क पहनने के बजाय केवल संक्रमितों को मास्क पहनने की सलाह दी थी। जुलाई 2020 में स्वतंत्र हेल्थ एक्सपर्ट्स ने कहा था कि कोरोना वायरस हवा से भी फैलता है। उन्होंने डब्लूएचओ से कोरोना को हवा से फैलने वाली महामारी घोषित करने को कहा था।

इजरायली सीमा पुलिस द्वारा मारे गए दो फिलिस्तीनी बंदूकधारियों के शव का निरीक्षण करते जवान। यह घटना यरूशलेम में तनाव के बीच हिंसक टकरावों को रोकने के दौरान हुई।

मास्को में ग्रेट पैट्रियटिक युद्ध में सोवियत जीत की 76वीं वर्षगांठ मनाने के लिए देश भर में सैन्य परेड की तैयारियां जोरशोर से जारी हैं।

तीन दिन के दौरे पर सऊदी अरब पहुंचे इमरान

जेद्दा, (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान तीन दिन के दौरे पर सऊदी अरब पहुंचे हैं। जेद्दाह एयरपोर्ट पर उनका स्वागत सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और देश के रक्षा मंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने किया। भीषण आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे पाकिस्तान के लिए प्रधानमंत्री इमरान खान का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इमरान खान की इस यात्रा के दौरान आर्थिक और द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े कुछ अन्य समझौतों को आकार दिया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि सत्ता में आने के बाद से इमरान तीसरी बार सऊदी अरब के दौरे पर गए हैं। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती देने के उपायों पर विस्तार से चर्चा होगी। इससे पहले चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल कमर जावेद बाजवा ने सऊदी अरब के नेताओं से मुलाकात की थी। बताया जाता है कि यात्रा के पहले दिन इमरान और सऊदी अरब के बीच कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के समझौतों पर दस्तखत किए गए।

इमरान के पहुंचने के बाद दोनों देशों के बीच हुए एक समझौते के मुताबिक दोनों देशों ने एक सुप्रीम कोऑर्डिनेशन काउंसिल बनाने का निर्णय लिया है जो दोनों के बीच समन्वय का काम करेगा। इसके अलावा आर्थिक सहयोग, रणनीतिक पार्टरनशिप, निवेश, ऊर्जा, पर्यावरण और मीडिया पार्टनरशिप को लेकर 5 ज्ञापन भी तय किए गए।

सऊदी अरब पहुंचने पर प्रिंस सलमान इमरान खान को शाही महल ले गए जहां एक रिसेप्शन किया गया। सलमान से मुलाकात के बाद दोनों ओर के प्रतिनिधमंडल मिले और द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े कई मुद्दों पर बातचीत हुई। इमरान ने सऊदी अरब में काम कर रहे पाकिस्तानी लोगों को लेकर भी बात की। इमरान के साथ विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी भी थे।

उल्लेखनीय है कि शाह ने कश्मीर मुद्दे पर ओआईसी (ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कंट्रीज) और सऊदी अरब पर हीलाहवाली का आरोप लगा दिया था। इसके बाद नाराज सऊदी ने पाकिस्तान से उसे दिए अरबों डॉलर के कर्ज को चुकाने के लिए कह दिया था।

बाइडेन ने पुतिन को न्यौता भेजा, तनाव खत्म करने की पहल

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच मुलाकात हो सकती है। जल्द ही दो बड़ी महाशक्तियों के नेताओं की प्रस्तावित बैठक पर फैसला लिया जाएगा। यह जानकारी व्हाइट हाऊस की तरफ से दी गई है। एक बयान में कहा गया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन का मानना है, अगर उनकी मीटिंग रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होती है, तो यह दोनों देशों के बीच चल रहे तानव को खत्म करने और रिश्तों में सकारात्मक पहल को लेकर होगी। हालांकि व्हाइट हाउस की अपनी रोजाना होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेक्रेटरी जेन साकी ने कहा कि फिलहाल इस बैठक की कोई तारीख तय नहीं हुई है। राष्ट्रपति बाइडेन ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन को इस बैठक के लिए आमंत्रित किया है। क्योंकि उनका मानना है कि दोनों देशों के रिश्तों की बेहतरी के लिए यह बैठक अहम है। इस बैठक को लेकर स्टाफ लेवल पर चर्चा चल रही है। इसका एजेंडा तय किया जा रहा है। इसके अलावा साकी ने बाइडेन की राष्ट्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता जाहिर करने वाला एक बयान भी दोहराया। उन्होंने कहा कि रूस की तरफ से उठाए कदम जो अमेरिका की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाते हैं, से अपने राष्ट्रहितों की रक्षा करेंगे।

इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शुक्रवार को एक आदेश जारी किया है। इसमें स्टेट डिपार्टमेंट में क्लाइमेट चेंज सपोर्ट ऑफिस शुरू करने के आदेश दिए गए है। इसका उद्देश्य क्लाइमेट चेंज को लेकर उठाए जा रहे कदमों को सपोर्ट करना है।

बाइडन का यह निर्णय वैश्विक नेतृत्व की उनकी प्रतिबद्धता को दिखाता

वाशिंगटन, (एजेंसी)। कोविड-19 के टीकों के निर्माण के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रावधानों में छूट देने का राष्ट्रपति जो बाइडन का निर्णय वैश्विक नेतृत्व में उनके प्रशासन की प्रतिबद्धता को दशार्ने के लिहाज से लिया है। इस विषय पर महीने भर तक चली आंतरिक बहस के बाद बाइडन ने इस हफ्ते फैसला किया कि वह कोविड-19 टीकों के पेटेंट में कुछ समय के लिए छूट देने की अंतरराष्ट्रीय अपील को स्वीकार कर सकते है। नीति में बदलाव का दुनिया भर के कई परोपकारी संगठनों एवं देश के उदारवादियों ने स्वागत किया है। नीति में बदलाव का यह कदम हालांकि नया नहीं है।

बाइडन ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने अभियान के दौरान इसका समर्थन किया था। प्रशासन के भीतर जारी चचाओं का जोर हालांकि इस बात को लेकर था कि वैश्विक महामारी को कितनी बेहतर तरीके से समाप्त किया जा सकता है और ऐसा करते हुए दुनिया भर में अमेरिका का प्रभाव भी बरकरार रहे। अधिकारियों ने माना है कि हरसंभव कोशिश करने के बावजूद नीति में परिवर्तन के कारण अतिरिक्त टीके बनाने में कम से कम एक साल का वक्त लग सकता है। प्रमुख यूरोपीय नेता इन रियायतों के पूरी तरह खिलाफ थे और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में जरूरी सहमति जुटा पाना शायद कभी न हो।

विशिष्ट उत्पादन, खासकर फाइजर और मॉडर्ना द्वारा बनाए गए अत्याधुनिक एमआरएनए टीकों में और वक्त लग सकता है। सबसे अहम यह है कि इस मामले को लेकर ज्यादा बहस नहीं होगी अगर टीका उत्पादक अंतरराष्ट्रीय मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त उत्पादन कर सकें। व्हाइट हाउस के अधिकारियों का मानना है कि बाइडन का फैसला पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एकपक्षवाद और संरक्षणवाद के चार साल बाद अमेरिका को नेतृत्व की स्थिति में वापस लाने वाला है।

चीन में चल रहा बेजुबानों जानवरों को मरने का ट्रेड

बीजिंग, (एजेंसी)। दुनिया को कोरोना में धकेलने वाला चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। अब चीन में एक नया ट्रेंड चल निकला है, जो बेजुबानों (जानवरों) की मौत की वजह बन रहा है।हालांकि, इसके बावजूद कम्युनिस्ट सरकार कोई सख्त कदम उठाने को तैयार नहीं है।सोशल मीडिया पर चीन के ब्लाइंड बॉक्स ट्रेंड की काफी आलोचना हो रही है।लोग खुलकर इसके विरोध में उतर आए हैं। खबर के अनुसार, चीन में पिछले कुछ वक्त से ब्लाइंड बॉक्स ट्रेंड चल रहा है।इसमें पालतू जानवरों को एक छोटे से बॉक्स में बंद करके भेजा जाता है। इन बॉक्स में रोशनी या हवा आने की कोई जगह नहीं होती, इसकारण इन्हें ब्लाइंड बॉक्स कहा जाता है। लोग ऑनलाइन पेट्स ऑर्डर करते हैं, लेकिन जब तक वहां उनके पास पहुंचते हैं, अधिकांश भूख-प्यास और घुटन से मर चुके होते हैं।

इस क्रूर और अमानवीय ट्रेंड के बारे में तब पता चला जब दक्षिण-पश्चिमी शहर चेंगदूके कुछ वॉलेंटियर्स को एक लकड़ी के बॉक्स में 160 बिल्ली और कुत्ते के बच्चे मिले। इनमें से कई जानवर पहले ही मर चुके थे। एनिमल रेस्क्यू सेंटर ने बताया कि जब कूरियर मिला,तब उसमें से जानवरों के रोने की आवाज आ रही थी।जैसे ही खोलकर देखा सभी हैरान रह गए। एनिमल रेस्क्यू सेंटर के मुताबिक, बेजुबानों को डिब्बे में बंद करके उसे पूरी तरह से पैक कर दिया जाता है। इसकारण दम घुटने की वजह से उनकी मौत हो जाती है। ऑनलाइन कई लोग इस तरह से जानवर बेच रहे हैं और उन्हें खरीदने वालों की भी कमी नहीं है।बायर को लुभाने के लिए बाकायदा विज्ञापन भी दिए जा रहे हैं। बता दें कि चीन में बड़े पैमाने पर कुत्तों का मांस खाया जाता है। हालांकि, कोरोना की उत्पत्ति को देखते हुए सरकार ने पिछले साल इस पर रोक की दिशा में कदम उठाए थे, पर चोरी-छिपे अब भी इन बेजुबानों को मौत के घाट उतारा जा रहा है।

कश्मीर से धारा-370 हटाना भारत का आंतरिक मसला : कुरैशी

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाए जाने को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। एक इंटरव्यू में महमूद कुरैशी ने अनुच्छेद 370 को भारत का आंतरिक मामला स्वीकार किया है।

अब तक पाकिस्तान आर्टिकल 370 हटाए जाने का विरोध करता रहा है। आर्टिकल 370 हटने के 21 माह बाद महमूद कुरैशी ने सार्वजनिक तौर पर इसे भारत का आंतरिक मसला बताया है।

केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को खास दर्जा देने वाले आर्टिकल 370 को हटा दिया था। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भी बांट दिया था। दोनों को ही केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। हालांकि, जम्मू-कश्मीर को विधानसभा वाला केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है, जबकि लद्दाख में विधानसभा नहीं है।

जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने का पाकिस्तान की तरफ से जमकर विरोध किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी पाकिस्तान की तरफ से इसके खिलाफ आवाज उठाई गई। हालांकि, अब वहां के विदेश मंत्री ने अनुच्छेद 370 हटाए जाने को भारत का आंतरिक मामला स्वीकार किया है। इंटरव्यू में महमूद कुरैशी ने कहा 370 हटाना भारत का आंतरिक मसला है। इस पर वहां की सुप्रीम कोर्ट सुनवाई भी कर रही है।

उन्होंने कहा कि चाहे वह 370 की शक्ल में हो या 35ए की, एक बहुत बड़ा तबका मानता है कि इन कदमों से भारत ने खोया ज्यादा है और पाया कम है। उन्होंने कहा कि हम 370 को ज्यादा अहमियत नहीं देते। हमें 35ए से परेशानी है।

उन्होंने कहा हमारी परेशानी तो 35ए को लेकर है, क्योंकि इससे कश्मीर के भूगोल और आबादी का संतुलन बदलने की कोशिश की जा रही है। कुरैशी ने कहा दोनों देशों के बीच बातचीत के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचा है। जंग तो कोई विकल्प हो सकती। ऐसे में बातचीत ही एकमात्र विकल्प बचा है, जिस पर हमें आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए।

धरती पर गिरने वाला है चीन का अनियंत्रित राकेट, ड्रैगन ने कहा किसी को खतरा नहीं

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन ने कहा है कि स्पेस रॉकेट का अधिकांश हिस्सा वायुमंडल में प्रवेश करने के दौरान जल जाएगा और इससे धरती पर कोई नुकसान होने की आशंका नहीं है। इस रॉकेट का मलबा रविवार सुबह तक पृथ्वी पर गिरने की आशंका है।

अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने कहा कि वह चीन के बड़े रॉकेट पर नजर बनाए हुए हैं, जो नियंत्रण से बाहर हो गया है और इस सप्ताहांत पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश करने वाला है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में लांग मार्च 5बी रॉकेट के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में कहा कि चीन इस पर समय पर अपडेट देगा। पिछले हफ्ते देश के अंतरिक्ष स्टेशन से इस रॉकेट को प्रक्षेपित किया गया था और इसके मलबे की धरती पर गिरने की आशंका है।

वांग ने कहा रॉकेट का अधिकांश हिस्सा वायुमंडल में प्रवेश करने पर जल जाएगा। उन्होंने कहा यह एक अंतरराष्ट्रीय अभ्यास है। 29 अप्रैल को लॉन्ग मार्च 5 बी सफलतापूर्वक अपेक्षित कक्षा में प्रवेश कर गया और हम रॉकेट के पुनः प्रवेश पर भी अधिक ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा जैसा कि हम समझते हैं कि रॉकेट ने कुछ विशेष तकनीकी डिजाइन को अपनाया है। रॉकेट का अधिकांश भाग वायुमंडल में दोबारा प्रवेश के दौरान जल जाएगा। पृथ्वी पर किसी भी खतरे और नुकसान की आशंका नहीं है। संबंधित प्राधिकारी नियत समय पर इस पर अपडेट देंगे।

ईरान की राजधानी तेहरान के स्मारक टॉवर के पास इजराइल और अमेरिका के झंडे को जलाते प्रदर्शनकारी।

मंदिरों को टीकाकरण केंद्र में बदलने की सराहना की

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी सर्जन जरनल डॉ. विवेक मूर्ति ने अपने मंदिरों को कोविड-19 टीकाकरण केंद्र में बदलने के लिए भारतीय-अमेरिकी परमार्थ संगठन बीएपीएस चैरिटीज की सराहना की। बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के अमेरिका में 100 से अधिक केंद्र हैं।

मूर्ति ने कहा,मैं भारतीय-अमेरिकी संगठन बीएपीएस चैरिटीज पर ध्यान दिलाना चाहता हूं, जिसने अपने मंदिरों को टीकाकरण केंद्र में बदल दिया है। उन्होंने कहा, इन मंदिरों के बुजुर्ग सदस्यों के लिए किसी अपरिचित स्थान के बजाए अपने मंदिर में अपने परिवार और विश्वसनीय मित्रों के बीच टीकाकरण कराना आसान है।

टोक्यो समेत पूरे देश में 31 मई तक आपातकाल बढ़ाया गया

टोक्यो, (एजेंसी)। जापान में कोरोना का कहर जारी है। ऐसे में जापान दो गंभीर स्थितियों का सामना कर रहा है। पहली- दिनों-दिन बढ़ते मरीज। दूसरी- 11 हफ्तों बाद ओलिंपिक खेलों का आयोजन । पहली स्थिति से निपटने के लिए प्रधान मंत्री योशिहिदे सुगा ने कोरोनोवायरस टास्क फोर्स की बैठक में टोक्यो समेत दूसरी जगहों पर आपातकाल 31 मई तक बढ़ाने की घोषणा की। सघन आबादी वाले जापान में 24 मार्च 2020 तक कोरोना के कुल मामले 1,200 के आसपास थे और 43 लोगों की संक्रमण से मौत हुई थी। लेकिन अब उसी जापान में 6 लाख 20 हजार 994 मरीज हैं और 10,589 मौतें हो गई हैं। 2020 में सरकार ने मार्च अंत में होने वाली बसंत की छुट्टियों से दो हफ्ते पहले ही स्कूलों को बंद कर दिया था और सार्वजनिक आयोजन रद्द कर दिए थे। नौकरीपेशा लोगों ने भी घर से काम करना ज्यादा ठीक समझा। इस वजह से संक्रमण की रफ्तार काफी हद तक कम हुई। हालांकि, मरीजों के कम आंकड़ों को लेकर विरोधाभास भी है। जापान के मेडिकल गवर्नेंस रिसर्च इंस्टीट्यूट में वायरोलॉजिस्ट मासाहीरो कामी के अनुसार देश में टेस्टिंग बेहद कम है। सरकार का फोकस पूल टेस्टिंग पर है, जब तक आरटीपीसीआर टेस्ट नहीं बढ़ेंगे असल मरीजों की संख्या का पता न पहले चला था न अब चलेगा। दूसरी वजह जिसके कारण जापान में संक्रमण बढ़ा वह है धीमा टीकाकरण। जापान की आबादी करीब 12.63 करोड़ है, लेकिन 2त्न से कम लोगों की टीका लगा है।

80 से 85 लाख वैक्सीन प्रतिमाह मिल जाए तो, 3 महीने में सबको वैक्सीन लग जाएगा : केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने तीन महीने में 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों का वैक्सीनेशन करने के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम 18 से 45 साल के उम्र वालों के लिए वैक्सीनेशन सेंटर 100 से बढ़ाकर 250-300 करने जा रहे हैं। अगर हमें 80 से 85 लाख वैक्सीन प्रतिमाह मिल जाए तो, हम तीन महीने में सभी को वैक्सीन लगा सकते हैं। हमारे पास वैक्सीन की बहुत कमी है। अभी तक हमें करीब 40 लाख वैक्सीन मिली है। दिल्ली की दो करोड़ आबादी में से 18 साल से ज्यादा उम्र के करीब 1.5 करोड़ लोग हैं और उनके वैक्सीनेशन के लिए अभी 2.60 करोड़ वैक्सीन की जरूरत है। सीएम ने कहा कि फरीदाबाद, सोनीपत, गुडगांव,

गाजियाबाद और नोएडा से भी लोग आकर दिल्ली में वैक्सीन लगवा रहे हैं और उन्हें यहां की व्यवस्था पसंद आ रही है। वैक्सीन ही एक सुरक्षा चक्र है, जो हमें तीसरी लहर से बचा सकता है। मेरा निवेदन है कि जिस तरह केंद्र सरकार अभी तक मदद करती आई है, उसी तरह दिल्ली को उचित मात्रा में वैक्सीन भी उपलब्ध कराए।

सीएम केजरीवाल ने आज दिल्ली में चल रहे कोरोना वैक्सीनेशन अभियान को लेकर महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। दिल्ली में कोरोना के खिलाफ वैक्सीनेशन अभियान खूब जोर-शोर से चल रहा है। पिछले कुछ दिनों में जब से 45 साल से कम उम्र के लोगों का टीकाकरण शुरू हुआ है, तब से टीकाकरण को लेकर खासकर हमारे युवाओं में जबरदस्त उत्साह है। दिल्ली के स्कूलों में यह टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है। मैं खुद कई जगहों पर दौरा कर देख कर आया हूं कि टीकाकरण के लिए खूब युवा आ रहे हैं और टीका लगवा रहे हैं। वैक्सीनेशन सेंटर पर सरकार ने जो व्यवस्था की है, उसको लेकर भी लोग बहुत खुश हैं। अभी हम लोगों ने लगभग 100 स्कूलों के अंदर वैक्सीनेशन की व्यवस्था की है और अब इसको हम बढ़ाकर 3 गुना करने जा रहे हैं। आने वाले समय के अंदर दिल्ली में लगभग 250 से 300 स्कूलों के अंदर वैक्सीनेशन की व्यवस्था कर देंगे।

सीएम केजरीवाल ने कहा कि आज दिल्ली के अंदर मोटे तौर पर एक लाख वैक्सीन प्रतिदिन लगाई जा रही है। 50 हजार वैक्सीन 45 साल से कम उम्र के लोगों को लगाई जा रही है और लगभग 50 हजार वैक्सीन 45 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को लगाई जा रही है। इस तरह मोटे तौर पर दिल्ली में एक लाख इंजेक्शन प्रतिदिन लग रहे हैं। सीएम ने कहा कि बहुत सारे लोग दिल्ली के बाहर से आकर वैक्सीन लगवा रहे हैं। जिसमें फरीदाबाद, सोनीपत, गुडगांव, गाजियाबाद और नोएडा समेत आसपास के इलाकों पर से लोग आकर वैक्सीन लगवा रहे हैं और उन्हें भी दिल्ली के अंदर व्यवस्था बहुत पसंद आ रही है।

एक हैल्थ वर्कर कॉमनवेल्थ गेम्स कोविड सेंटर में ऑक्सीजन सिलेंडर का मुआयना करता हुआ।

होम आइसोलेट कोरोना मरीजों के परिजन ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए कर सकते हैं ऑनलाइन अप्लाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में होम आइसोलेशन में रह रहे कोविड -19 मरीज के परिजन अब ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। दिल्ली सरकार ने ऑक्सीजन को लेकर लोगों की परेशानी को कम करने और होम आइसोलेट मरीजों को ऑक्सीजन की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल सेटअप किया है। दिल्ली सरकार ने 5 मई को एक ऑर्डर में जिला मजिस्ट्रेटों को ऑक्सीजन विरतरण प्रोसेस के लिए डीलर और डिपो की पहचान करने के लिए कहा है। ऑर्डर में लिखा है कि जिला मजिस्ट्रेट पर्याप्त संख्या में ऑफिस कर्मचारियों को लगाकर को सभी आवेदनों की जांच करें और जल्दी ई-पास जारी किया जाए। डीएम यह सुनिश्चित करेंगे कि डीलर नियमित रूप से अपने सिलेंडर को निर्धारित रिफिलिंग प्लांट से रिफिल करवाएं। कोविड -19 मरीज के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए आवेदन करने के लिए रीडायरेक्ट करेगा। यहां पर एक वैलिड फोटो आईडी, आधार कार्ड डिटेल, कोविड पॉजिटव रिपोर्ट और सीटी स्कैन रिपोर्ट जैसे अन्य दस्तावेजों के साथ मरीज की डिटेल अपलोड करें एप्लीकेशन अपलोड होने के बाद जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में एक डेडिकेटेड टीम इसकी टॉप प्राथमिकता के साथ इसकी जांच करेगी। एक बार आवेदन स्वीकृत हो जाने के बाद जिला मजिस्ट्रेट एक पास जारी करेगा जिसमें डीलर या डिपो की पता, तारीख, समय दिया गया होगा, जहां से ऑक्सीजन सिलेंडर जारी या एक्सचेंज किया जा सकता है। पोर्टल उन मरीजों के परिजनों की मदद करेगा, जिन्हें वर्तमान में विभिन्न सिलेंडर रिफिलिंग प्लांट में ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदने या फिर से भराने के लिए जाना पड़ता है। सिलेंडर रिफिलिंग प्लांटों में लंबी लाइने लग रही हैं, जिससे पब्लिक सेफ्टी और पब्लिक हेल्थ को लेकर भी खतरा बढ़ रहा है। भीड़ से संक्रमण फैलने का भी डर रहता है। इससे रिफिलिंग प्लांटों पर भीड़ कम हो सकेगी।

दिल्ली में कोरोना कहर हो रहा कम, 24 घंटे में 17 हजार नए केस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्लीवालों के लिए आज राहत की खबर है। राजधानी में कोरोना संक्रमण का ग्राफ अब धीरे-धीरे नीचे आने लगा है। आज जहां 17 हजार से अधिक नए संक्रमितों की पुष्टि हुई है, वहीं 20 हजार से अधिक मरीज ठीक भी हुए हैं। अब पॉजिटिविटी 23.34 फीसदी पर आ गया है, जो शुक्रवार को 24.92 फीसदी पर था। स्वास्थ्य विभाग की ओर से शनिवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, बीते 24 घंटे में जहां कोरोना के 17,364 नए मरीज मिले हैं, वहीं 332 और मरीजों की मौत के बाद मृतकों का कुल आंकड़ा बढ़कर 19,071 पर पहुंच गया है। शुक्रवार को 19,832 मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। बुलेटिन के अनुसार, आज 20,160 मरीज पूरी तरह ठीक होकर कोरोना मुक्त हो गए, जबकि शुक्रवार को यह संख्या 19,085 थी। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि दिल्ली में अब तक संक्रमितों की कुल संख्या 13,10,231 हो गई है और 49,865 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। राजधानी में अब कोरोना वायरस संक्रमण के एक्टिव केस 87,907 हैं। वहीं, अब तक कुल 12,03,253 मरीज इस महामारी को मात देकर कोरोना मुक्त हो चुके हैं। इसके साथ ही अब तक मरने वालों की संख्या 19,071 हो गई है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बीते 24 घंटे में दिल्ली में कुल 74,384 टेस्ट किए गए हैं। इनमें से 62,921 आरटीपीआर सीबीएनएएटी टूनैट टेस्ट और 11,463 रैपिड एंटीजन टेस्ट शामिल थे। दिल्ली में अब तक कुल 17,751,509 जांचें हुई हैं और प्रति 10 लाख लोगों पर 9,34,289 टेस्ट किए गए हैं।

कम पानी देने की शिकायत वाले आवेदन पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड के उस आवेदन पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें हरियाणा और पंजाब पर दिल्ली को पानी की कम आपूर्ति करने का आरोप लगाया गया था। जल बोर्ड का कहना था कि दिल्ली में पानी की किल्लत है। जस्टिस एल नागेश्वर राव, जस्टिस ए एस बोपन्ना और जस्टिस वी रामासुब्रमण्यम की पीठ ने दिल्ली जल बोर्ड से कहा कि वह इसके लिए ऊपरी यमुना नदी बोर्ड के पास जाए। पीठ ने बोर्ड के आवेदन पर जल्द विचार करने के लिए कहा है।

पीठ ने कहा कि समिति की रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के द्वारा पहले की तरह पानी की आपूर्ति की जा रही है। सुनवाई के दौरान दिल्ली जल बोर्ड की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौर में लोग लगातार हाथ धोते हैं, जिसके लिए पानी की दरकार है। साथ ही अस्पतालों में भी पानी की अधिक जरूरत है। सिंह ने यह भी कहा कि बोर्ड दंतहीन है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट आदेश पारित करे, लेकिन पीठ ने सिंह को ऊपरी यमुना नदी बोर्ड के पास जाने के लिए कहा।

मीडियाकर्मियों के लिए लगाए जाएंगे वैक्सीनेशन कैंप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार मीडियाकर्मियों को कोरोनारोधी टीका लगाने के लिए व्यापक अभियान शुरू करेगी।

दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि मीडिया समूहों के कार्यालयों में टीकाकरण शिविर लगाए जाएंगे और इस पर होने वाले खर्च का वहन सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न समूहों से उनके कर्मचारियों के बारे में विवरण लेगी और इसके बाद स्वास्थ्य विभाग आगे कदम उठाएगा।

दिल्ली सरकार ने मीडियाकर्मियों के टीकाकरण के संदर्भ में यह कदम उस समय उठाया, जब लोग टीकाकरण के लिए समय की बुकिंग को लेकर मुश्किल का सामना कर रहे हैं।

भारतीय प्रेस परिषद ने गुरूवार को केंद्र और राज्य सरकारों से एक बार फिर आग्रह किया था कि पत्रकारों को भी कोरोना योद्धा की श्रेणी में शामिल किया जाए और उनको बीमा की सुविधा भी दी जाए।

प्रेस परिषद ने ओडिशा, बिहार और मध्य प्रदेश की सरकारों की सराहना की जिन्होंने पत्रकारों को फ्रंटलाइन वर्कर की श्रेणी में शामिल करने और वित्तीय मदद देने का फैसला किया है।

उत्तर प्रदेश की सरकार ने भी पांच मई को घोषणा की थी कि पत्रकारों और उनके परिवारों को टीकाकरण में प्राथमिकता दी जाएगी।

खान चाचा रेस्टोरेंट से बरामद ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर मामले की जांच क्राइम ब्रांच करेगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संकट के दौरान दक्षिणी दिल्ली के खान मार्केट में स्थित खान चाचा रेस्टोरेंट से बरामद हुए ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर्स मामले की जांच को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया है। क्राइम ब्रांच अब इस गोरखधंधे की कड़ियां जोड़कर पूरे गिरोह का पदार्फाश करेगी। जानकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को खान मार्केट स्थित खान चाचा रेस्टोरेंट से 96 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर बरामद किए थे। पुलिस ने यह जब्ती कारोबारी नवनीत कालरा पर दूसरे दिन कार्रवाई के दौरान की इससे पहले छह मई को लोधी कॉलोनी पुलिस टीम ने सेंट्रल मार्केट स्थित एक रेस्टोरेंट और छतरपुर स्थित एक फॉर्म हाउस से 419 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर बरामद किए गए थे। इसके बाद पुलिस की टीम रेस्टोरेंट के संचालक नवनीत कालरा के आने ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। कालरा रेंस्टोरेंट से ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर की कालाबाजारी कर रहा था, जिसकी सूचना पुलिस को मिल गई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और फिर 524 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर बरामद कर लिए। पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि गिरफ्तार किए गए गौरव सिंह और अन्य से पूछताछ के बाद पुलिस ने आगे छापेमारी जारी है। अभी तक जितनी भी जगहों पर छापेमारी की गई है वह सभी कारोबारी नवनीत कालरा से संबंधित थीं। ऐसे में पुलिस अब नवनीत की तलाश कर रही है। पुलिस उसके सभी संभावित ठिकानों पर नजर बनाए हुए है।

दिल्ली सरकार ने ऑटो रिक्शा को बनाया एंबुलेंस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में कोरोना वायरस कहर बरपा रहा है। राजधानी में आज 19 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की भारी कमी हो रही है। ऐसे में सरकार ने शहर के कुछ ऑटोरिक्शा को एबुलेंस में तब्दील कर दिया है जिसके जरिए कोरोना मरीजों को ले जाया जा सके। कोरोना के मामलों में लगातार हो रही बढ़ोतरी की वजह से मरीजों को समय पर एंबुलेंस नहीं मिल रही है। साथ ही स्वास्थ्य सेवा की स्थिति चरमरा गई है। मरीजों के परिवार को निजी एबुलेंस चालकों को बहुत ज्यादा पैसे देकर मरीज को अस्पताल पहुंचाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। दिल्ली सरकार ने एक गैर सरकारी संगठन के साथ मिलकर एक दर्जन से ज्यादा ऑटोरिक्शा को एंबुलेंस में तब्दील कर दिया है। इनमें हैंड सैनिटाइजर और फेम मास्क के साथ ही जरूरत पड़ने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर की भी व्यवस्था की गई है। इस सेवा की शुरूआत आधिकारिक तौर पर मंगलवार को हुई। यह पूरी तरह से मुफ्त है। पीपीई किट पहनकर मरीजों को लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल लेकर जाने वाले ऑटोरिक्शा ड्राइवर राज कुमार ने कहा, इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए हम सभी को एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। उनके और उनके पीछे बैठने वाले यात्रियों के बीच एक प्लास्टिक बैग के जरिए विभाजन किया गया है। मोहित राज ने कहा, अगर हर कोई डर की वजह से घर में रहेगा तो जरूरतमंद लोगों की मदद कौन करेगा मोहित टर्न योर कंसर्न इन एक्शन फाउंडेशन के संस्थापक और कार्यकारी निदेशक हैं। उन्होंने कहा कि अब तक की प्रतिक्रिया से पता चला है कि इस योजना में और अधिक वाहनों की जरूरत है।

नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बेचने वालों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में कोरोना संक्रमण की रफ्तार के साथ ही रेमडेसिविर की डिमांड भी बढ़ी है। इंजेक्शन को खरीदेने के लिए लोग बड़ी कीमत चुका रहे हैं, वहीं दवा माफिया नकली इंजेक्शन बेचकर लोगों को लूटने में लगा हुआ हैं। इसतरह के मामले का खुलासा करते हुए दिल्ली पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 15 नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बरामद हुए हैं। दरअसल 5 मई को दिल्ली पुलिस को सूचना मिली थी, कि नांगलोई इलाके में कुछ लोग रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी में लगे हुए हैं। शिकायतकर्ता राहुल ने दिल्ली पुलिस को बताया कि उसके चाचा कोरोना से संक्रमित थे।उनके लिए राहुल को गूगल पर सर्च के दौरान

इंजेक्शन बेचने वालों से बातचीत हुई। बातचीत के बाद विक्रेताओं ने रोहिणी इलाके में राहुल को बुलाकर इंजेक्शन के 30 हजार रुपये ले लिए। इससे पहले की ये इंजेक्शन इस्तेमाल होता, राहुल के चाचा की मौत हो गई।

शिकायतकर्ता राहुल को इंजेक्शन के नकली होने का शक था, जिसके बाद पुलिस ने अपनी जांच शुरू की। दिल्ली पुलिस की टीम ने आरोपियों की तलाश में दोबारा ग्राहक बनकर इंजेक्शन की डील की।पुलिस के जाल में दोनों आरोपी बड़ी ही आसानी से फंस गए। जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपियों के पास से 15 नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन के अलावा 34 हजार रुपये की नकदी और एक सेंट्रो कार भी बरामद की है।पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम कमल और दीपक बताए हैं।आरोपी कमल दिल्ली के शालीमार बाग का रहने वाला है। कमल एक अस्पताल में डायलिसिस का काम करता है, जबकि दीपक कमल के साथ ही उसके रूम में रहता है। दीपक होम केअर के नाम से नर्स हेल्थकेयर की कंपनी चलता है।

श्मशान घाट तक शव ले जाने पर एंबुलेंस वसूल रहीं 20

नई दिल्ली। कोरोना काल में कोविड मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक लाने ले जाने वाली एंबुलेंस के भारी-भरकम चार्ज को लेकर अब दिल्ली सरकार में रेट फिक्स किए हैं. लेकिन यह रेट भी साधारण दिनों में लगने वाले एंबुलेंस चार्ज से भी दोगुने तय किए गए हैं. विपक्ष ने निर्धारित किए गए एंबुलेंस चार्ज को कम करने की मांग की है.

दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि दिल्ली सरकार के द्वारा कल शाम घोषित एम्बुलेंस चार्ज से लोगों को कुछ राहत तो मिली है. लेकिन अधिकांश लोग इन्हे अभी भी ज्यादा मान रहे हैं. प्रवक्ता ने इस संदर्भ में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र भी लिखा है. पत्र के जरिये मांग की है कि सरकार एम्बुलेंस चार्ज की कल घोषित कैपिंग पर पुनर्विचार विचार करके चार्ज को कम करके आधा करे. पत्र में कहा गया है कि कोविड काल से पहले दिल्ली में 10 किलोमीटर तक साधारण एम्बुलेंस के 600 तो विशेष के 1,000 एवं अतिविशेष सेवा के 2,000 रूपए लगते थे जिन्हे सरकार ने कल दोगुना कर दिया है जो गलत है. इसको वापस लिया जाना चाहिए.

नई दिल्ली में शनिवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आज उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा स्थापित बालक राम अस्पताल के दीनदयाल कोविड केअर केंद्र का निरीक्षण किया।

ऑक्सीजन के बेहतर प्रबंध से दिल्ली में खत्म हुआ सांसों का संकट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की दखल के बाद दिल्ली को ज्यादा मात्रा में ऑक्सीजन मिलने लगी है। इसका सीधा लाभ दिल्ली के लोगों को हुआ है क्योंकि सरकार ने इसके बाद अस्पतालों को ज्यादा ऑक्सीजन देने की कोशिश की है। इस कारण से अब अस्पतालों से आने वाली डिस्ट्रेस कॉल्स में भी कमी आई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राजधानी में ऑक्सीजन की स्थिति नियंत्रण में आ रही है। केंद्र सरकार से ज्यादा ऑक्सीजन मिल रही है जिससे अस्पतालों को ज्यादा मदद देना संभव हुआ है। दिल्ली अपने स्तर पर भी ऑक्सीजन पैदा करने में जुटा हुआ है। जल्दी ही इसके परिणाम सामने आएंगे और दिल्ली को ऑक्सीजन की कमी से जूझना नहीं पड़ेगा।

सीएम ने कहा कि घर में होम आइसोलेशन में रहकर अपना इलाज करा रहे लोगों को भी पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन या ऑक्सीजन मापक यंत्र पहुंचाया जाना चाहिए जिससे उन्हें किसी तरह की समस्या न होने पाए। उन्होंने कहा कि सरकार ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाने की कोशिश कर रही है जिससे लोगों को कोरोना के खतरे से बचाया जा सके। सीएम केजरीवाल ने कहा कि वैज्ञानिक कोरोना की तीसरी लहर आने की आशंका जता रहे हैं। लेकिन दिल्ली को इस लहर के नकारात्मक असर से बचाने के लिए सरकार अभी से सक्रिय हो गई है। सभी अस्पतालों में ऑक्सीजन, बेड्स और दवाइयां सही समय पर उपलब्ध कराने के लिए लगातार कोशिश हो रही है। इस स्थिति से निबटने के लिए सीएम ने शुक्रवार को वरिष्ठ अधिकारियों और स्वास्थ्य मंत्री के साथ बैठक की।

दिल्ली सरकार के अधिकारियों को गुरूवार रात 2:30 बजे इंडियन स्पाइनल अस्पताल से एसओएस कॉल आई। सरकार की ओर से बनाए गए ऑक्सीजन रिस्पांस पाइंट से तुरंत अस्पताल को एक मीट्रिक टन ऑक्सीजन मुहैया कराई गई। इसके आलावा लोक नायक अस्पताल की ओर से दोपहर 12 बजे एसओएस कॉल मिली थी। इसके बाद उसे दो मीट्रिक टन ऑक्सीजन उपलब्ध कराई गई। इसी तरह कालकाजी स्थित आईरीन अस्पताल को 3 सिलिंडर भिजवाकर ऑक्सीजन के संकट को दूर किया। कुकरेजा अस्पताल की ओर से सुबह 10.05 बजे एसओएस कॉल कर तत्काल ऑक्सीजन मांगी।

संपादकीय

फिर काम-धंधे पर न लगें ताले

लाख कोशिशों के बावजूद देश के हालात फिर वहीं पहुंच गए हैं, जहां नहीं पहुंचने थे। केंद्र और राज्य सरकारों ने हरचंद कोशिश कर ली। हाईकोर्ट की फटकार की भी परवाह नहीं की। सुप्रीम कोर्ट जाकर अपने लिए खास मंजूरी ले आए कि लॉकडाउन न लगाना पड़े। लेकिन आखिरकार उन्हें भी लॉकडाउन ही आखिरी रास्ता दिख रहा है। महाराष्ट्र ने कड़ाई बरती, तो फायदा भी दिख रहा है। अप्रैल के आखिरी दस दिनों में सिर्फ मुंबई में कोरोना पॉजिटिव मामलों में 40 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जहां 20 अप्रैल को शहर में 7,192 मामले सामने आए, वहीं 29 अप्रैल तक यह गिनती गिरकर 4,174 पहुंच चुकी थी। 21 अप्रैल से सरकार ने राज्य में लगभग लॉकडाउन जैसे नियम लागू कर दिए थे, उसी का यह नतीजा है और अब ये सारी पाबंदियां 15 मई तक बढ़ाई जा रही हैं। 21 अप्रैल को महाराष्ट्र सरकार ने यह फैसला किया, इसकी भी वजह थी। 21 मार्च से पहले 39 दिनों में राज्य में कोरोना के रोजाना नए मामलों की गिनती 2,415 से बढ़कर 23,610 तक पहुंच चुकी थी। यही वह वक्त था, जब भारत में एक दिन में तीन लाख से ऊपर नए कोरोना मरीज सामने आने लगे थे। कोरोना के पहले और दूसरे दौर को भी मिला लें, तब भी किसी एक दिन में यह दुनिया के किसी भी देश का सबसे बड़ा आंकड़ा था। ऐसे में, सरकारों का घबराना स्वाभाविक था और लॉकडाउन की याद आना भी। सीएमआईई की ताजा रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल भर में 98 लाख लोगों की नौकरी गई है। 2020-21 के दौरान देश में कुल 8.59 करोड़ लोग किसी न किसी तरह की नौकरी में लगे थे। और इस साल मार्च तक यह गिनती घटकर सिर्फ 7.62 करोड़ रह गई है। और अब कोरोना का दूसरा झटका और उसके साथ जगह-जगह लॉकडाउन या लॉकडाउन से मिलते-जुलते नियम-कायदे रोजगार के लिए दोबारा नया खतरा खड़ा कर रहे हैं। मुंबई और दिल्ली में लॉकडाउन की चर्चा होने के साथ ही रेलवे और बस स्टेशनों पर फिर भीड़ उमड़ पड़ी और बहुत बड़ी संख्या में फिर गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली और पंजाब से लोग उत्तर प्रदेश और बिहार के अपने गांवों या कस्बों के लिए निकल आए हैं। शहरों में बीमारी के असर और फैलने पर तो इन पाबंदियों से रोक लगेगी, लेकिन इस चक्कर में लाखों की रोजी-रोटी एक बार फिर दांव पर लग गई है। और साथ में दूसरे खतरे भी खड़े हो रहे हैं। सबसे बड़ा डर फिर वही है, जो पिछले साल बेबुनियाद साबित हुआ। शहरों से जाने वाले लोग अपने साथ बीमारी भी गांवों में पहुंचा देंगे। यह डर इस बार ज्यादा गहरा है, क्योंकि इस बार गांवों में पहले जैसी चौकसी नहीं दिख रही है। बाहर से आने वाले बहुत से लोग बिना क्वारंटीन या आइसोलेशन की कवायद से गुजरे सीधे अपने-अपने घर तक पहुंच गए हैं और काम में भी जुट गए हैं। दूसरी तरफ, चुनाव प्रचार और धार्मिक आयोजनों के फेर में बहुत से गांवों तक कोरोना का प्रकोप पहुंच चुका है। शहरों के मुकाबले गांवों में जांच भी बहुत कम है और इलाज के साधन भी। इसलिए यह पता लगना भी आसान नहीं कि किस गांव में कब कौन कोरोना पॉजिटिव निकलता है, और पता चल भी जाए, तो इलाज मिलना और मुश्किल। संकट इस बात से और गहरा जाता है कि हमारी अर्थव्यवस्था अभी तक पिछले साल के लॉकडाउन के असर से पूरी तरह निकल नहीं पाई है। अब अगर दोबारा वैसे ही हालात बन गए, तो फिर झटका गंभीर होगा। हालांकि, अभी तक तमाम अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और ब्रोकरेजेज ने भारत की जीडीपी में बढ़त के अनुमान या तो बरकरार रखे हैं या उनमें सुधार किया है। लेकिन साथ ही उनमें से ज्यादातर चेता चुके थे कि कोरोना की दूसरी लहर का असर इसमें शामिल नहीं है और अगर दोबारा लॉकडाउन की नौबत आई, तो हालात बिगड़ सकते हैं। रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड ऐंड पूअर्स ने चेतावनी दी है कि कोरोना की दूसरी लहर से फिर कारोबार में अड़चन का खतरा है और इसकी वजह से भारत की आर्थिक तरक्की को गंभीर नुकसान हो सकता है और इसकी वजह से एजेंसी भारत की तरक्की का अपना अनुमान घटाने पर मजबूर हो सकती है। एसऐंडपी ने इस साल भारत की जीडीपी में 11 प्रतिशत बढ़त का अनुमान दिया हुआ है, लेकिन उसका कहना है कि रोजाना तीन लाख से ज्यादा मामले आने से देश की स्वास्थ्य सुविधाओं पर भारी दबाव पड़ रहा है, ऐसा ही चला, तो आर्थिक सुधार मुश्किल में पड़ सकते हैं। यूं ही देश में औद्योगिक उत्पादन की हालत ठीक नहीं है और लंबे दौर के हिसाब से यहां जीडीपी के 10 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है। उधर दिग्गज ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने जो कहा है, वह शेयर बाजार के लिए खतरे की घंटी हो सकता है। उसका कहना है कि अगर कोरोना का संकट जल्दी नहीं टला, तो विदेशी निवेशक भारत के बाजार से बड़े पैमाने पर पैसा निकाल सकते हैं। पिछले कुछ दिनों में ही एफपीआई यानी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने करीब दो अरब डॉलर का माल बेचा है। यूबीएस का कहना है कि ऐसे ही हालात रहे, तो जल्दी ही तीन-चार अरब डॉलर की बिकवाली और देखने को मिल सकती है। पिछले साल इन विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 39 अरब डॉलर लगाए हैं, जो एक रिकॉर्ड था। बाजार में पिछले साल आई धुआंधार तेजी की एक वजह यह पैसा भी था। अगर यह पैसा निकलता है, तो फिर तेजी का टिके रहना भी मुश्किल होगा। यूबीएस के एक रिसर्च नोट में कहा गया है कि भारत में कोरोना के मामलों की बढ़ती गिनती से विदेशी निवेशक व्याकुल हो रहे हैं और घबराहट में पैसा निकाल सकते हैं। लेकिन शेयर बाजार से ज्यादा बड़ी फिक्र है कि हमारे शहरों के बाजार खुले रहेंगे या नहीं। अगर वहां ताले लग गए, तो फिर काफी कुछ बिगड़ सकता है और इस वक्त खतरा यही है कि कोरोना को रोकने के दूसरे सारे रास्ते नाकाम होने पर सरकारें फिर एक बार लॉकडाउन का ही सहारा लेती नजर आ रही हैं। अभी तक सभी जानकार इसके खिलाफ राय देते रहे हैं और सरकारें भी पूरी कोशिश में रहीं कि लॉकडाउन न लगाना पड़े। अर्थशास्त्री भी मान रहे हैं कि कोरोना की दूसरी लहर ज्यादा खतरनाक होने के बावजूद अर्थव्यवस्था पर उसका असर शायद काफी कम रह सकता है, क्योंकि लॉकडाउन नहीं लगा है। मगर अब जो नए हालात दिख रहे हैं, उसमें भारतीय अर्थव्यवस्था कब तक और कितनी बची रहेगी, कहना मुश्किल है।

प्रवीण कुमार सिंह

सबकी पोल खोलने वाली महामारी की त्रासदी, जीवन की रक्षा सर्वोपरि

मुंबई के एक अस्पलाल में आग लगने से मरीज मरते हैं और नासिक में ऑक्सीजन लीक होने से। राजधानी दिल्ली की इस खबर ने कि सर गंगाराम जैसे बड़े अस्पताल में रोगियों ने ऑक्सीजन के अभाव में दम तोड़ दिया, स्वास्थ्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय आपातकाल का ही उद्घोष कर दिया। हम सब इतने लाचार कैसे हो रहे हैं और कहां पहुंचेंगे, यह बड़ा प्रश्न है, लेकिन तत्काल जरूरत यह है कि महामारी से उपजी त्रासदी का सारे दुराग्रहों से मुक्त होकर सामना किया जाए। जीवन का रक्षा सर्वोपरि है। यदि जीवन बचा रहा तो सब कुछ फिर हो सकेगा। जीवन का कोई विकल्प नहीं है।

करीब एक सदी बाद आई महामारी के अप्रत्याशित प्रकोप ने सबको हिलाकर रख दिया है। इसके पहले स्वास्थ्य की विपदाएं स्थानीय या क्षेत्रीय विस्तार तक सीमित रहती थीं, पर कोविड-19 महामारी से उपजी स्वास्थ्य की समस्या विश्वव्यापी है और उसकी दूसरी लहर पूरे भारत पर ज्यादा ही भारी पड़ रही है। इसके संक्रमण की विधाएं इतने भिन्न-भिन्न तरह की मिल रही हैं और उसके लक्षणों की विविधता इतने विलक्षण रूप से परिवर्तनशील है कि उसकी पहचान में अक्सर चूक की घटनाएं हो रही हैं और लोगों की जान पर आ बन रही है। चिकित्सा विज्ञान के ताजे अनुसंधान इस वायरस के स्वरूप में बदलाव की भी कई किस्मों को रेखांकित कर रहे हैं।

रोग के उपचार की कारगर दवा की तलाश अभी भी जारी है। जो उपचार चल रहा है, वह शरीर की व्यवस्था की कमियों के प्रबंधन की युक्ति पर निर्भर है। सावधानी के साथ कुशल स्वास्थ्य प्रबंधन समय पर मुहैया करना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। श्वास की प्रक्रिया में ही जीवन-तंतु बसता है और कोविड की खतरनाक चोट नाक, गले और फेफड़े जैसे संवेदनशील अवयवों पर असर डालती है। उसे रोकना और उसके असर से ससमय निपटना युद्धस्तर पर चिकित्सकीय हस्तक्षेप की अपेक्षा करता है। यदि समय रहते श्वसन तंत्र को सामान्य नहीं बनाया गया तो जीवन खतरे में पड़ने लगता है।

कोरोना की दस्तक के बाद संक्रमण को कम करने के लिए सैनिटाइजेशन , मास्क और दो गज की दूरी बनाए रखने का प्रविधान किया गया और ताकीद की गई कि भीड़ न जुटे। टीकाकरण भी शुरू हुआ और धीरे-धीरे उसका दायरा बढ़ाया जाने लगा। मुश्किलों को ध्यान में रखकर विद्यालयों और अन्य संस्थानों में ऑनलाइन कार्य करने की व्यवस्था की गई। इन सबका असर भी दिखने लगा और जंग जीतने जैसी

भावना बनने लगी। कई प्रदेशों में विधानसभा के चुनाव हुए, बड़ी-बड़ी चुनावी रैलियों और रोड शो के जरिये चुनाव प्रचार में खूब भीड़ जुटी और रोना प्रविधानों की धज्जियां उड़ती रहीं और सभी बेखबर रहे। इस वर्ष के आरंभ में इस भरोसे कि अब कोरोनामुक्त अच्छे दिन आने वाले हैं, महानगरों से जो लोग अपने गांव वापस आए थे, वे अपने रोजगार और काम धंधे के लिए अपने-अपने मुकाम लौटने लगे। लगा सब कुछ पटरी पर आने वाला है, पर यह गफलत तब दूर हो गई जब संक्रमण की दूसरी लहर आई।

दूसरी लहर में महामारी जिस तीव्र वेग से अपने पांव पसार रही है और जिस तरह कई-कई लाख लोग प्रतिदिन इसकी चपेट में आ रहे हैं, उससे सभी सकते में आ गए हैं। महामारी के प्रसार और जीवन के तीव्र नाश की कहानी दिल दहलाने वाली होती जा रही है। इसके आगोश में युवा वर्ग भी आने लगा है और संक्रमण के वायु के माध्यम से होने की पुष्टि ने अज्ञात भय की मात्रा बढ़ा दी है। आम जनता में भ्रम और भय का माहौल बन रहा है। टीवी पर पुष्ट-अपुष्ट सूचनाओं की भरमार है और उन्हें देखकर मन को दिलासा दिलाने की जगह मौत के मंडराने का अहसास बढ़ता जा रहा है। इस माहौल में जिस धैर्य और संयम से स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की जरूरत है, उसकी तरफ बहुत थोड़े टीवी चैनल ध्यान दे रहे हैं। ऐसे में भय और दुविधा की मनोवृत्तियां हावी हो रही हैं। लोग दहशत में आ रहे हैं। जीवन की डोर कमजोर लगने लगी है।

भारत की आबादी, जनसंख्या का घनत्व, पर्यावरण-प्रदूषण और खाद्य सामग्री में मिलावट, स्वास्थ्य-सुविधाओं की उपेक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण जैसे बदलाव ने आम नागरिक के लिए स्वस्थ रहने की चुनौती को ज्यादा ही जटिल बना दिया है। पिछले कुछ वर्षों में स्वास्थ्य की लंगड़ाती चलती सरकारी व्यवस्था और भी सिकुड़ती चली गई। स्वास्थ्य क्षेत्र में निजीकरण ने स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच को आम जनता से दूर करना शुरू कर दिया। निजी क्षेत्र में जन सेवा की जगह मुनाफा कमाना ही मुख्य लक्ष्य बन गया। दूसरी ओर इसका दबाव झेलती जनता के सामाजिक, नैतिक और र्आिथक आचरण में विसंगतियां भी आने लगीं। कोविड जैसी विकट त्रासदी ने सबकी पोल खोल दी है, लेकिन उसका ठीकरा हर कोई दूसरे के सिर पर फोड़ने को तत्पर है और जीवन मृत्यु के प्रश्न में भी सियासी फायदा ढूंढा जा रहा है।

फरवरी तक कोविड के असर में गिरावट दिखने से सबके नजरिये में ढिलाई आ गई। इतनी कि कहीं-कहीं जो स्वास्थ्य सुविधाएं कोविड के लिए शुरू हुई थीं, उनको बंद या स्थगित कर दिया गया। इसके साथ ही आम आदमी राहत की सांस लेने लगा। बाजारों और विभिन्न आयोजनों में भीड़ बढ़ने लगी और शारीरिक दूरी बनाए रखने और मास्क लगाने को नजरअंदाज किया जाने लगा, लेकिन मार्च में सब कुछ बदलने लगा। अचानक तेजी से कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ी और फिर जो अफरातफरी मची, उसका किसी को अनुमान नहीं था। आज मरीज और अस्पताल सभी त्राहिमाम कर रहे हैं। दिल्ली, मुंबई से लेकर सभी बड़े शहरों में चिकित्सकीय ढांचा चरमराने लगा और अस्पताल में बेड, दवा और ऑक्सीजन की किल्लत शुरू हो गई। इनकी कालाबाजारी भी शुरू हो गई। नैतिकता और मानवीयता को दरकिनार कर बाजार में कई गुने महंगे मूल्य पर दवा और इंजेक्शन बिकने लगे।

आज की त्रासदी यह भी है कि सरकारी व्यवस्था ऐसी है कि लोग वहां जाने से घबरा रहे हैं। निजी अस्पताल सेवा की मनचाही कीमत मांगते हैं और हर तरह से मरीज को चूस रहे हैं। आज सब तरफ रोगियों का तांता लगा है और अस्पतालों के अंदर-बाहर लोग मदद को तरस रहे हैं। ऑक्सीजन की कमी जिस तरह बढ़ी और रोगियों के प्राण संकट में पड़ रहे, उससे सरकारी तैयारी और व्यवस्था प्रश्नांकित हो रही है। मुंबई के एक अस्पलाल में आग लगने से मरीज मरते हैं और नासिक में ऑक्सीजन लीक होने से। राजधानी दिल्ली की इस खबर ने कि सर गंगाराम जैसे बड़े अस्पताल में रोगियों ने ऑक्सीजन के अभाव में दम तोड़ दिया, स्वास्थ्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय आपातकाल का ही उद्घोष कर दिया। हम सब इतने लाचार कैसे हो रहे हैं और कहां पहुंचेंगे, यह बड़ा प्रश्न है, लेकिन तत्काल जरूरत यह है कि महामारी से उपजी त्रासदी का सारे दुराग्रहों से मुक्त होकर सामना किया जाए। जीवन की रक्षा सर्वोपरि है। यदि जीवन बचा रहा तो सब कुछ फिर हो सकेगा। जीवन का कोई विकल्प नहीं है।

तीसरी लहर का खतरा

अब तीसरी लहर की बात चूंकि काफी पहले से पता है, उम्मीद की जानी चाहिए कि कम से कम इस बार हमें इस तरह के बहानों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा कि लहर अप्रत्याशित रूप से तेज थी या यह कि इसकी भयावहता का किसी को अंदाजा नहीं था। हालांकि अभी भी संभावित तीसरी लहर के आने का समय पता नहीं किया जा सका है, यह भी तय नहीं है कि तब तक कोरोना वायरस के कितने और किस-किस तरह के वैरिएंट आ चुके होंगे।

आज जब पूरा देश कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के विनाशकारी नतीजों से निपटने में लगा है, यह सूचना मन में मिश्रित भाव पैदा करती है कि इसकी तीसरी लहर भी आने ही वाली है। चूंकि केंद्र सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार ने इस बात की पुष्टि कर दी है, इसलिए अब न तो इसमें किसी किंतु-परंतु की गुंजाइश रह जाती है और न ही इसे लेकर हैरानी-परेशानी जताने का कोई मतलब बनता है। ले-देकर यही एक बात देखने की रह जाती है कि इस सूचना का उपयुक्त इस्तेमाल करते हुए हम उस तीसरी लहर के आने से पहले खुद को और पूरे तंत्र को उसका सामना करने के लिए किस हद तक तैयार कर पाते हैं। पहली लहर के बाद छह महीने से ऊपर का वक्त मिलने के बावजूद हमने दूसरी लहर की आशंका को जिस तरह से भुलाए रखा, वह सचमुच ऐतिहासिक है। न केवल हमारे तंत्र ने ऑक्सिजन जैसी आवश्यक वस्तु का उत्पादन और उसकी अबाधित आपूर्ति सुनिश्चित करने की कोई अतिरिक्त तैयारी नहीं की, बल्कि आम लोगों को भी इसके लिए मानसिक रूप से तैयार करने की जरूरत नहीं महसूस की गई कि दूसरी बेहद खतरनाक लहर आ सकती है। लोग इसी भुलावे में बने रहे कि अब तो वैक्सीन आ ही गई है, अब कोरोना क्या बिगाड़ लेगा।

बहरहाल, अब तीसरी लहर की बात चूंकि काफी पहले से पता है, उम्मीद की जानी चाहिए कि कम से कम इस बार हमें इस तरह के बहानों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा कि लहर अप्रत्याशित रूप से तेज थी या यह कि इसकी भयावहता का किसी को अंदाजा नहीं था। हालांकि अभी भी संभावित तीसरी लहर के आने का समय पता नहीं किया जा सका है, यह भी तय नहीं है कि तब तक कोरोना वायरस के कितने और किस-किस तरह के वैरिएंट आ चुके होंगे। उन सब पर वैज्ञानिक बिरादरी लगातार काम कर रही है। लेकिन अच्छी बात यह है कि वायरस के रूप जो भी हों, संक्रमण के उसके तरीकों में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसका मतलब यह हुआ कि बचाव के तरीके लगभग वही रहेंगे। यानी दूरी बरतना, लोगों के निकट संपर्क में नहीं आना, मास्क पहनना, बार-बार हाथ धोते रहना और हां बारी आने पर वैक्सीन जरूर ले लेना। ये ऐसे उपाय हैं जिन पर सतर्क अमल सुनिश्चित कर हरेक व्यक्ति इस युद्ध में अहम योगदान कर सकता है। मगर पर्याप्त वैक्सीन का उत्पादन और उसकी सप्लाई सुनिश्चित करने, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने और मरीजों के लिए ऑक्सिजन, हॉस्पिटल्स में बेड, डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी वगैरह का इंतजाम करने की जिम्मेदारी सरकारी तंत्र की ही बनती है। उम्मीद की जाए कि दोनों अपने-अपने हिस्से की जिम्मेदारी का उपयुक्त ढंग से निर्वाह करते हुए तीसरी लहर को शुरू में ही नियंत्रित कर लेंगे।

कोरोना वायरस के कहर के बीच भय को भुनातीं दवा कंपनियां

कोरोना वायरस के कहर के बीच तमाम दवा कंपनियों की कमाई बढ़ गई है। यह भी तब जब आज तक सही मायने में कोरोना की कोई दवा बाजार में नहीं है। कोरोना के बेहतर निदान यानी जांच और इसका संक्रमण फैलने से रोकने वाले, इम्युनिटी बढ़ाने वाले अवयवों का बाजार इस दवा बिजनेस के मुनाफे को बढा रहा है। अस्पतालों की फार्मेसी, सामान्य केमिस्ट और ऑनलाइन दवा विक्रेताओं के अलावा सरकारी खरीद सब मिलकर इस आपदा में चांदी काट रहे हैं। मुनाफे का महान मौका ताड़कर करीब दो दर्जन दिग्गज दवा कंपनियां इस मुनाफे की मारामारी में कूद पड़ी हैं। फलत- यूरोप, अमेरिका और चीन से अगले दो महीने भीतर कोरोना की 35 नई दवाओं की आमद के आसार हैं। एक दवा कंपनी का दावा है कि उसकी दवा महज 24 घंटे में कोरोना से निजात दिला देगी। दवाओं की यह बाढ़ कोरोना को बहा पाए या नहीं पर दवा कंपनियां लाभ से आप्लावित हो जाएंगी, यह तो तय है। इस मामले में भारतीय कंपनियां भी पीछे नहीं रहेंगी। रूसी स्पुतनिक के बाद अब देश में जल्द ही तीन और वैक्सीन बिकने लगेंगी। कुल छह वैक्सीन ले सकेंगे लोग। संभव है जायडस कैडिला की बनाई दवा पेगीलेटेड इंटरफेरॉन अल्फा-2बी जल्द ही कोरोना की इटोलीजुमैब, रिटोनाविर और लोपिनाविर, डॉक्सीसाइक्लिन के साथ आइवरमेक्टिन का कॉम्बीनेशन, हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन और फेवीपिरविर तथा रेमडेसिविर जैसी उन दवाओं में शामिल हो जाए जो देश में कोरोना के इलाज में इस्तेमाल हो रही हैं।

देश में मिलने वाली ग्लेनमार्क फार्मा कंपनी की दवा फैबिफ्लू भी ऐसी ही दवा है, जो कभी फ्लू के इलाज में काम आती थी, अब कोरोना का इलाज कर रही है। दरअसल यह चर्चित रेमडेसिविर की ही तरह का मल्टी स्पेक्ट्रम एंटीवायरल है और फेवीपीराविर का उन्नत संस्करण है जो इस ब्रांड नाम से बिकती है। चूंकि दवा का कोई रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल नहीं हुआ है, जो अत्यावश्यक है, इसलिए इसे महज आपात और सीमित इस्तेमाल की अनुमति है। पर इसको कौन देख रहा है। मरीजों के रिश्तेदार विवश होकर और हड़बड़ी में इन्हें खरीद रहे हैं। कंपनियां भी जानती हैं कि ये कोरोना की दवा नहीं है। इलाज की संभावना का तो बस दावा। यह एक तरह से आपदा में अवसर है, भयादोहन है। देश में जिस तरह कोरोना की जबरदस्त लहर आई है, उसी अनुपात में दवा उद्योग में भी मुनाफा काटने की सुनामी आई हुई है।

हालांकि चिकित्सकीय विशेषज्ञ हो अथवा मेडिसिन या वायरोलॉजिस्ट सभी का कहना है कि कोरोना की अभी कोई दवाई नहीं है। ये सभी दवाइयां वैकल्पिक हैं। तमाम दूसरे रोगों की दवाइयां कोरोना के नाम पर दी जा रही हैं। आपात स्थिति में इन्हें आजमाने में कोई बुराई नहीं। ये दवाइयां कोरोना मरीजों के लिए कई बार लाभप्रद भी साबित हुई हैं। भले इलाज के मामले में न हों पर बचाव के मामले में इनका सहयोग मिला है। लेकिन फिर भी ज्यादातर कोरोना दवाएं ललटप्पू ही हैं। बब यह कि इस आपदा में बड़ा अवसर तलाशकर इस अफरातफरी के आलम में दवा उद्योग अंधाधुंध मुनाफा कूटने में लगा है। फार्मा कंपनियां औनेपौने ट्रायल आयोजित कर उन्हीं दवाओं को अलग ब्रांड के नाम से बना दे रही हैं और भारत के अलावा तमाम गरीब देशों में बेच दे रही हैं। सबसे बड़ा आड़ आपातकालीन प्रयोग को मंजूरी है, इसकी आड़ लेकर बहुत सी कंपनियां यह प्रचारित करके कि फलां बड़े देश में इसको मंजूरी मिली हुई है, बिक रही हैं। भारत, अमेरिका और ब्रिटेन समेत तमाम देशों की सरकारों ने इस मामले में उन दवाओं की स्वीकृति में पर्याप्त ढील दी जिसके बारे में यह दावा किया जा रहा है कि वह कोरोना से लड़ने में मददगार है।

यकीन मानिये कि कई दवाओं को तो सौ से भी कम मरीजों पर परीक्षण किया गया और इसकी सफलता प्रतिशत ठीक-ठाक बताकर इसके लिए आवेदन किया और सरकारों ने आपातकाल में इस्तेमाल के नाम पर इजाजत दे दी। आपातकाल में इस्तेमाल मतलब मरीज या उसके रिश्तेदार से इस दवा के प्रयोग की सहमति है। आखिरी उपाय देखकर मरीज और उसके रिश्तेदार राजी हो जाते हैं। ऐसे में दवा के प्रतिकूल प्रभाव की जिम्मेदारी किसी की नहीं रह जाती। मरीज इस दवा के बाद भी न बचे तो उसकी किस्मत। इसके लिए न तो दवा कंपनी दोषी है, न सरकार, न चिकित्सक, न अस्पताल।

सरकार को लगता है कि उसने ज्यादा से ज्यादा दवाओं की मंजूरी देकर जनहित और कोरोना संक्रमितों के हित में लोकप्रिय काम किया, पर सच तो यह है कि इस हित का अधिकांश हिस्सा दवा कारोबारियों की जेब में जा रहा है। पिछले साल कुछ विज्ञान पत्रिकाओं में छपा कि भारत में दो अवैध दवाओं का इस्तेमाल धड़ल्ले से कोरोना के इलाज में हो रहा है। इसके समर्थन में कई विदेशी विज्ञानी भी आए, लेकिन हुआ कुछ नहीं। दरअसल बदहवास रिश्तेदार, तीमारदार कोरोना की अबूझ सी दवा के बारे में कुछ नहीं जानते और सरकारों को क्या पड़ी है कि वे इसे रोकें। ज्यादातर दवाएं संदेह के लाभ में बरी हैं, क्योंकि पर्याप्त आंकड़ा ही नहीं है। न तो कोई प्रमाण है और न कोई संतुष्टि कारक आंकड़ा।

कोरोना वायरस के संक्रमण की दूसरी लहर का आर्थिक गतिविधियों पर असर

ई-कॉमर्स के जरिये सामान लोगों तक पहुंचाने का तरीका भी ढूंढा जा चुका है, तो अब इकोनॉमी को पहले जितना झटका नहीं लगेगा। यहां इस बात का जिक्र करना जरूरी है कि भारत ही नहीं दुनिया में जहां भी कोरोना की दूसरी लहर आई है, कहीं भी मैन्युफैक्चरिंग बंद नहीं हुई है। कम से कम आम आदमी से जुड़ी चीजें लगातार बनाई जा रही हैं। उनकी खपत में कोई कमी नहीं है। इसलिए इकोनॉमी को पिछले साल जितना नुकसान नहीं होगा।

अप्रैल के आरंभ से ही देशभर में कोरोना वायरस के संक्रमण के एक बार फिर व्यापक प्रसार के कारण हालात असामान्य हो चुके हैं। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बीच अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। हालांकि इस बार की पाबंदी कुछ इस तरह की है ताकि आर्थिकी पर असर कम से कम हो। इसी कड़ी में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड-19 के मद्देनजर सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों से संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए स्थानीय स्तर पर कंटेनमेंट ढांचे की रणनीति पर काम करने के लिए गाइडलाइंस जारी की है। जाहिर है कि दूसरी लहर से निपटने के लिए केंद्र सरकार माइक्रो-कंटेनमेंट जोन पर ध्यान केंद्रित करने के पक्ष में है और देशव्यापी लॉकडाउन पर विचार नहीं कर रही है। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों पर असर 2020 की तुलना में कम रह सकता है।

फरवरी में टीकाकरण शुरू होने के साथ कोविड संक्रमण की स्थिति नियंत्रण में आती नजर आ रही थी और महामारी की वजह से गंभीर रूप से प्रभावित हुई भारतीय अर्थव्यवस्था फरवरी आते-आते पुन- संभलने लगी थी। लेकिन अप्रैल में मामले बढ़ने लगे और वायरस के प्रसार को रोकने के लिए पाबंदी लगाए जाने से हालात तेजी से बदले हैं और दूसरी लहर ने अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता फिर से बढ़ा दी है। इससे अर्थव्यवस्था की रिकवरी को भी झटका लगने की आशंका है। हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामारी की दूसरी लहर के समग्र प्रभाव का अभी आकलन करना बहुत कठिन है, परंतु स्थानीय स्तर पर लगाए जा रहे लॉकडाउन के कारण अप्रैल-जून वाली पहली तिमाही में आर्थिक संवृद्धि पर नकारात्मक असर

दिखाई दे सकता है। यदि जून तक हालात सामान्य नहीं होते हैं तो इसका असर पूरे साल की जीडीपी पर दिख सकता है।

यहां इस बात का जिक्र करना जरूरी है कि अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी बोफा सिक्योरिटीज के मुताबिक कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर को प्रभावी ढंग से निपटने के लिए भारत में अगर एक महीने का देशव्यापी लॉकडाउन लगाने की नौबत आती है तो सकल घरेलू उत्पाद में दो फीसद तक की गिरावट आ सकती है। बहरहाल केंद्र सरकार पिछले वर्ष जैसा देशव्यापी लॉकडाउन के पक्ष में नहीं है। वैसे भी मौजूदा आर्थिक हालात में सख्त लॉकडाउन र्तािकक नहीं है। पिछले वर्ष 25 मार्च से 31 मई के दौरान तालाबंदी से अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ा था।

आंशिक तालाबंदी - संक्रमण की दूसरी लहर को रोकने के लिए राज्य सरकारों ने लॉकडाउन और वीकेंड कर्फ्यू जैसे जो कदम उठाए हैं इसका सबसे बड़ा असर र्सिवस सेक्टर पर पड़ा है। हालांकि पिछले वर्ष की तरह उद्योगों पर उतना असर नहीं पड़ा है। चूंकि अभी पूर्णतया तालाबंदी नहीं है और रेलवे, विमान सेवाओं समेत सार्वजनिक परिवहन को संचालित किया जा रहा है। केंद्र के साथ-साथ राज्यों की सरकारें भी औद्योगिक गतिविधियों को संचालित करने पर ध्यान दे रही हैं। हालांकि आंशिक रूप से लॉकडाउन लगाए जाने से श्रमिकों के साथ-साथ वस्तुओं की आवाजाही जरूर प्रभावित हो रही है। प्रतिबंधों के कारण खपत घट रही है, जो हमारी अर्थव्यवस्था का मूल आधार है। ऐसे में कहा जा सकता है कि स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन के कारण लोगों की आवाजाही और कारोबारी गतिविधियों के प्रभावित होने से आने वाले महीनों में अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना इतना आसान नहीं होगा। खासकर कोरोना से प्रभावित रेस्तरां, ऑटो, रियल एस्टेट, परिवहन एवं पर्यटन, मनोरंजन, लॉजिस्टिक्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को पूरी तरह से उबरने में एक से दो साल का समय लग सकता है। फिलहाल तो यह कह पाना कठिन है कि हालात कब तक सामान्य होंगे। जाहिर है कि अर्थव्यवस्था को लेकर एक तरह से अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई है।

कुछ सेक्टर पर अधिक असर - इस बात की भी आशंका है कि महामारी की पहली लहर की तरह पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी और एयरलाइंस पर दूसरी लहर का भी सबसे बुरा असर पड़ेगा। ब्रिटेन और जर्मनी समेत कई यूरोपीय देशों ने अपने नागरिकों को भारत जाने से बचने की सलाह दी है, जबकि घरेलू पर्यटन भी कोरोना के डर से घटने लगा है। भारत में भी कोविड संक्रमण के मामलों में रिकॉर्ड तेजी की वजह से लोग ज्यादातर घर में रह रहे हैं। वैश्विक लोकेशन तकनीक कंपनी 'टॉमटॉम इंटरनेशनल' के आंकड़ों के मुताबिक नई दिल्ली में ट्रैफिक की तादाद में 49 फीसद तथा मुंबई में 73 प्रतिशत की कमी आई है। यानी महामारी के दौरान लोगों की आवाजाही का रुझान कम हुआ है। गौरतलब है कि भारत की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग का योगदान करीब 6.8 फीसद है। भारत में पर्यटन उद्योग से करीब 8.75 करोड़ लोग जुड़े हैं।

वर्ष 2018-19 के आंकड़ों के अनुसार यह कुल रोजगार का करीब 12.75 फीसद है। साथ ही यह कृषि, ट्रांसपोर्ट, हैंडलूम, एफएमसीजी सहित कई अन्य क्षेत्रों से भी जुड़ा है। इस कारण इन क्षेत्रों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना की दूसरी लहर होटल-रेस्टोरेंट यानी हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म सेक्टर को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रही है, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उम्मीद की किरण भी दिखाई दे रही है मसलन विदेशी कंपनियों समेत देशी कंपनियों ने भी पूरी सतर्कता के साथ मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू कर दी है। अब वो बंद नहीं होगी।

ई-कॉमर्स के जरिये सामान लोगों तक पहुंचाने का तरीका भी ढूंढा जा चुका है, तो अब इकोनॉमी को पहले जितना झटका नहीं लगेगा। यहां इस बात का जिक्र करना जरूरी है कि भारत ही नहीं दुनिया में जहां भी कोरोना की दूसरी लहर आई है, कहीं भी मैन्युफैक्चरिंग बंद नहीं हुई है। कम से कम आम आदमी से जुड़ी चीजें लगातार बनाई जा रही हैं। उनकी खपत में कोई कमी नहीं है। इसलिए इकोनॉमी को पिछले साल जितना नुकसान नहीं होगा। आगे की राह - केंद्र सरकार को राज्य सरकारों के साथ मिलकर जीवन और आजीविका दोनों को बचाने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है। संकट की इस घड़ी में कुछ तात्कालिक नीतिगत उपायों पर विचार करने की जरूरत है, जो न केवल संक्रमण की दूसरी लहर को रोकने और जीवन को बचाने की दिशा में कार्य करें, बल्कि समाज में सबसे वंचित तबके को आर्थिक संकट से बचाने और आर्थिक विकास तथा वित्तीय स्थिरता बनाए रखने में भी सहायक हों।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

प्रोफेसर पत्नी ने ही किया था डॉक्टर का कत्ल

आठ दिन बाद खुलासा वीडियो से लिया हत्या का आइडिया, नींद की गोलियों के बाद करंट लगाया

छतरपुर, (एजेंसी)। छतरपुर के जाने माने मेडिसिन चिकित्सक डॉ. नीरज पाठक का कत्ल उनकी प्रोफेसर पत्नी ममता पाठक ने ही किया था। हत्या के 08 दिन बाद पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए ममता पाठक को जेल भेज दिया है।

छतरपुर के लोकनाथपुरम कॉलोनी में रहने वाले जिला आस्पताल के रिटायर्ड डॉक्टर डॉ.नीरज पाठक और उनकी 61 वर्षीय पत्नी ममता पाठक के बीच लगभग 11 साल से विवाद चल रहा है। पत्नी महाराजा कॉलेज में रासायन शास्त्र की प्राध्यापक हैं और साइको स्वभाव की महिला हैं। पति-पत्नी में विवाद के कारण दोनों अलग-अलग रहते थे लेकिन सितम्बर 2020 पत्नी और बेटा एक बार फिर पिता के साथ रहने आ गए थे। पिछले कुछ महीनों से एक बार फिर दोनों में विवाद शुरू हो गया। विवाद के कुछ साक्ष्य भी सामने आए हैं। 29 अप्रैल को मौत से पहले डॉक्टर नीरज पाठक ने सिविल लाइन थाने में पत्नी के खिलाफ लिखित शिकायत की थी तो वहीं अपने एक वकील और भाई को फोन पर भी आपबीती सुनाई थी। इस बातचीत का ऑडियो भी पुलिस की जांच का एक अहम आधार बना था।

डीएसपी शशांक जैन ने बताया कि 29 अप्रैल को ही ममता पाठक ने अपने पति को खाने में नींद की गोलियां मिलाकर बेहोश कर दिया और फिर दो घंटे बाद जब वो अचेत अवस्था मे चले गए तो एक एक्सटेंशन बोर्ड के माध्यम से उनको करंट लगाकर मौत के घाट उतार दिया। पति को मारने के बाद ममता पाठक अपने बेटे के साथ एक प्राइवेट कार किराये से लेकर इलाज के नाम पर अगले दिन झांसी चली गई। 01 मई को खुद ममता पाठक ने ही 100 डायल को सूचित किया कि उनके घर में उनके पति मृत अवस्था में पड़े हैं। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर शव का पोस्टमार्टम तीन डॉक्टरों के बोर्ड से कराया जिसकी रिपोर्ट 5 दिन बाद सामने आई। रिपोर्ट में जब करंट से मौत की बात सामने आई तो पुलिस ने सख्त पूछताछ की तो ममता पाठक टूट गई और उसने हत्या की पूरी वारदात उगल दी।

पत्नी के सामने फांसी पर झूला निजी क्लीनिक का डॉक्टर

छतरपुर। जिला मुख्यालय से जुड़े ग्राम बगौता में निजी क्लीनिक संचालित कर रहे डॉक्टर ने अपनी पत्नी के सामने फांसी के फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली। सिविल लाइन पुलिस ने बताया कि बगौता में किराए के मकान में पलेरा के अनिल झा निजी क्लीनिक संचालित करते थे। शनिवार को डॉक्टर झा और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ जिससे तैस में आकर डॉ. झा ने फांसी लगा ली।

एक दर्जन युवकों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग, एक महिला घायल

मुरैना में वीडियो वायरल के बाद दो पक्षों के बीच छिड़ा संघर्ष

मुरैना (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर कुछ दिन पहले वायरल हुए वीडियो का विवाद अभी थाम नहीं है। बीते रोज हुई गोलीबारी के जवाब में शनिवार को फिर ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। बाइक पर सवार होकर आए दो दर्जन से अधिक युवाओं ने वनखंडी रोड पर कट्टे व रायफल लहराते हुए फायरिंग की जिसमें रास्ते से निकल रही एक महिला गोली लगने से घायल हो गई।

डबरा में रहने वाले एक युवक ने कुछ दिन पहले एक वीडियो बनाया था। इस वीडियो में एक समाज विशेष को भला-बुरा कहा गया। यह वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो उस समाज विशेष के लोगों ने वीडियो बनाने वाले युवक के समाज के लोगों पर मुरैना में हमला कर दिया। शनिवार को वीडियो बनाने वाले युवक के समाज के लोग एकत्रित हुए और बाइक पर सवार होकर वनखंडी रोड पर पहुंच गए। बाइक पर सवार होकर पहुंचे इन युवाओं ने कट्टे व रायफल लहराते हुए जमकर गोलियां चलाईं। जिसमें रास्ते से निकल रही महिला सुनीता शर्मा गोली लगने से घायल हो गईं जिसे ईलाज के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। गोलियां चलाने के साथ-साथ इन युवाओं ने सड़क किनारे खड़ी बसों की भी तोड़फोड़ की और भाग निकले। घटना के बाद वनखंडी रोड व गोपालपुरा इलाके में भारी फोर्स तैनात किया गया है। दो समाजों के आमने-सामने आने व पुलिस की निष्क्रिय रहने के कारण लोग दहशत में हैं।

सोशल मीडिया पर चल रहा द्वंद

दो समाजों के बीच छिड़ी जंग अभी शांत नहीं हुई। दोनों ही समाज के युवा सोशल मीडिया पर एक दूसरे को बुरा-भला नजर आ रहे हैं। इससे आशंका है कि यह विवाद बड़ा रूप ले सकता है। पुलिस ने यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए और दोनों ही पक्षों के हमलावरों को गिरफ्तार नहीं किया तो हालात गंभीर हो सकते हैं।

संक्षिप्त खबर

कटनीः नहीं माने परिजन तो प्रेमीयुगल ने ट्रेन के सामने कूद दी जान

कटनी। शुक्रवार की शाम कटनी-शहडोल रेलखंड के झलवारा व रूपौंद स्टेशन के बीच प्रेमीयुगल ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव परिक्षण के बाद मर्ग कायम करते हुए मामले को जांच में लिया है। इस संबंध में बड़वारा थाना प्रभारी रोहित डोगरे ने बताया कि बड़वारा थाना अंतर्गत ग्राम नंहवारा सेझा निवासी 22 वर्षीय सुनील सिंह पिता मजबूत सिंह गौड़ के गांव की ही 18 वर्षीय सुधा पिता राजेन्द्र कोल से प्रेम संबंध थे। दोनों आपस में शादी भी करना चाहते थे, लेकिन दोनों के परिवार वालों को यह बात बिल्कुल मंजूर नहीं थी। इस बात से परेशान प्रेमीयुगल ने शुक्रवार की शाम लगभग 7 बजे दोनों कटनी-शहडोल रेलखंड पर झलवारा व रूपौंद स्टेशन के बीच रेललाइन के किनारे जाकर बैठ गए। ट्रेन के आने का इंतजार करने लगे। इसी बीच उन्हें ट्रेन आते दिखी जिसके सामने कूदकर दोनों ने एक साथ जान दे दी। ट्रेन के सामने कूदकर प्रेमीयुगल को आत्महत्या करते गेटमैन गुलाब बर्मन ने देखा और इसकी सूचना बड़वारा पुलिस को दी।

भिंडः तहसीलदार ने दुकान से निकाली सिगरेट डिब्बी व बोतल, वीडियो वायरल

भिंड। कोरोना कर्फ्यू में कोरोना गाइडलाइन का पालन कराते हुए तहसीलदार ने एक दुकान को सील कराने से पहले दुकान की फ्रीज के अंदर से पानी की बिस्लरी बोतलें सहित सिगरेट की डिब्बियां निकलाते हुए सीसीटीवी में कैद हो गए। जिसका वीडियो दुकानदार ने मीडिया को दिखाया तो तहसीलदार की पोल खुलकर सामने आ गई, जिसमें राजस्व टीम के कुछ नुमाइंदे और तहसीलदार दुकान के अंदर डंडे, लिए स्टाफ के साथ घूम रहे हैं। बता दें कि तहसीलदार 20 अप्रैल को कार्रवाई करने के लिए उसकी दुकान पर पहुंचे थे। जिसके बाद उन्होंने कार्रवाई से बचने के लिए मामले को 18 दिन तक पेंडिग में डाल दिया। लेकिन व्यापारी ने 7 मई को दुकान खोलकर देखी तो उसमें सिगरेट की डिब्बी सहित पानी की बोतलें कम निकली, जिसके बाद सीसीटीवी चैक किया तो पूरी हकीकत निकलकर सामने आ गई। इस संबंध में जब एसडीएम उदयसिंह सिकरवार से बात की गई तो उन्होंने मामले की जानकारी न होने का हवाला देते हुए कन्नी काट ली।

कटनीः सूखे कुएं में मिला महिला व बालक का शव, हत्या की आशंका

कटनी। विजयराघवगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम हरदुआ से लगे खेतों में बने सूखे कुएं में महिला व बालक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतकों के शिनाख्तगी के प्रयास में लगी थी। जानकारी के मुताबिक ग्राम हरदुआ के सुखीलाल यादव के खेत में कुआं सूख गया है। इस कुएं से तेज दुर्गंध आने पर शनिवार की सुबह ग्रामीणों ने झांक कर देखा तो कुएं के अंदर सलवार सूट पहने एक महिला का सड़ा-गला शव दिखाई दिया। महिला के समीप ही एक बोरी पड़ी थी। जिसमें भी मक्खियां भिनक रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से महिला के शव और बोरी को बाहर निकलवाया तो बोरी में बालक की लाश मिली। विजयराघवगढ़ थाना प्रभारी सुधाकर बारस्कर के मुताबिक दोनों आपस में मां-बेटे समझ में आ रहे हैं, लेकिन स्पष्ट शिनाख्त होने के बाद ही होगा। शिनाख्तगी के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

पिपरियाः आग बुझाने गए फारेस्ट गार्ड की हृदय गति रुकने से मौत

पिपरिया। मटकुली पचमढ़ी के बीच ग्राम सिंगानामा के जंगल मे अचानक आग लग जाने की जानकारी वन विभाग अधिकारी को लगी जंगल की आग बुझाने फारेस्ट टीम तुरंत घटना स्थल रवाना हो गई। जैसे तैसे आग पर काबू पाया गया। इसी बीच फारेस्ट गार्ड राजपरिचित भट्ट को चक्क र आने पर तत्काल पानी पिलाया गया। पानी पीने के बाद उसे उल्टी व चक्कर आया बेहोश हालत में पिपरिया चिकित्सालय लाया गया,जहां डॉक्टर ने चैक करने के बादभट्ट को मृत घोषित कर दिया। सहायक संचालक वन परिक्षेत्र संजीव शर्मा ने बताया कि डॉक्टरों ने मौत का कारण हृदय गति रुक जाना बताया है।

रायपुरः छत्तीसगढ़ में मिले 12239 नए संक्रमित मरीज, 223 की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे में 12239 नए संक्रमित मरीज मिले हैं,वहीं 223 संक्रमितों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य में 12239 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं उनमें सर्वाधिक रायगढ़ के 1086 हैं। इसमें कोरबा के 712,जांजगीर के 1021,रायपुर के 718, बिलासपुर के 605,,दुर्ग के 518, राजनांदगांव के 393, बलौदा बाजार के 728, बेमेतरा के 170, महासमुन्द के 409, कबीरधाम के 434, धमतरी के 352,सरगुजा के 436, जशपुर के 561, गरियाबन्द के 188, कांकेर के 395,सूरजपुर के 583,मुंगेली के 572,कोरिया के 577,कोन्डागांव के 166 तथा बस्तर के 241 मरीज शामिल है। इस दौरान सर्वाधिक 49 मौते रायपुर में,दुर्ग में 23, बिलासपुर में 22, बालोद में 17, रायगढ़ में 15,बलौदा बाजार में 10,धमतरी एवं जांजगीर में नौ- नौ, गौरेला में आठ, बेमेतरा में सात, महासमुंद में छह,राजनांदगांव-कबीरधाम-सरगुजा-सूरजपुर-बलरामपुर एवं जशपुर में पांच-पांच मौतें हुई हैं।

इंदौर पुलिस ने पीड़ित परिवार का सदस्य बनकर किया मामले का खुलासा

कांग्रेस नेता कर रहा था ऑक्सी फ्लोमीटर की कालाबाजारी, धराया

इंदौर, (एजेंसी)। पुलिस ने ऑक्सीजन सिलेंडर में लगने वाले ऑक्सी फ्लोमीटर की कॉलाबाजारी करने वाले कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष यतींद्र वर्मा को पकड़ा है। उसके पास से दो ऑक्सी फ्लोमीटर भी बरामद किए हैं। कालाबाजारी को उजागर करने के लिए पुलिस ने पीड़ित परिवार का सदस्य बनकर फोन किया था।

राजेंद्र नगर थाना प्रभारी अमृता सोलंकी ने बताया कि कोरोना संक्रमण काल के चलते ऑक्सीजन की बहुत ज्यादा जरूरत पड़ रही है। ऐसे में लोग जैसे-तैसे ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था तो कर ले रहे हैं, लेकिन उसमें लगने वाले ऑक्सी फ्लोमीटर के लिए उन्हें भटकना पड़ रहा है। इसी का फायदा उठाकर लोग इसकी जमकर कालाबाजारी कर रहे हैं। ये लोग तीन से चार गुना तक वसूल रहे हैं।

ऐसी ही एक शिकायत मेरे पास रात में आई थी। पता चला था कि यतींद्र वर्मा नाम का व्यक्ति अधिक दाम में ऑक्सी फ्लोमीटर उपलब्ध करवा रहा है। इस पर मैंने पीड़ित परिवार की सदस्य बनकर उसे कॉल किया। उसने बताया कि वह सात हजार रुपए में ऑक्सी फ्लोमीटर उपलब्ध करवा देगा। पहले तो उसने कहा कि वह

तीन पुलिया पर डिलीवरी दे देगा। किसी को भेज दीजिए। मैंने कहा कि घर पर कोई नहीं हैए यदि मेरे घर के आसपास डिलीवरी दे पाएं तो। ऐसा करते-करते उसे पुराने आरटीओ तक बुलाया। वह कार से यहां पहुंचा, हमने पहले से ही सारी तैयारी कर रखी थी। जैसे ही उसे हमने सात हजार रुपए दिए, उसने तत्काल हमें ऑक्सी फ्लोमीटर निकालकर दे दिया। इसके बाद हमने उसे दबोच लिया।

पूछताछ में यतींद्र पिता नंदलाल ने बताया कि अरबिंदो अस्पताल के पास उसका किराए का एक मकान है। वहां पर भी एक ऑक्सी फ्लोमीटर रखा हुआ है। इस पर हमने दबिश देकर वहां से भी ऑक्सी फ्लोमीटर बरामद किया।

तीन युवकों से बांग्लादेश की कंपनी के रेमडेसिविर इंजेक्शन बरामद

इंदौर। रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजार करते हुए क्राइम ब्रांच ने तीन युवक को सांवेर से गिरफ्तार किया है। इन्होंने तीन हजार के इंजेक्शन का सौदा 17 हजार रुपए में किया था। इनसे बांग्लादेश की इंसेप्टा फर्माक्यूटिकल्स लिम कंपनी का है निनाविर रेमडेसिविर इंजेक्शन जब्त किया है। पकड़ा गया एक आरोपी ड्यूटी डाक्टर के पद पर मानपुर डायग्नोस्टिक कोविड सेन्टर तेजपुर गडबडी पुलिया के पास पदस्थ है।

एएसपी (क्राइम) गुरुप्रसाद पाराशर ने बताया कि शहर में हो रही रेमडेशिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी एवं अवैध बिक्री की घटनाएं लगातार बढ़ रही है।इसी बीच खबर मिली कि सांवेर थाना क्षेत्र में तीन व्यक्ति रेमडेशिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी एवं अवैध बिक्री की फिराक में घुम रहे हैं। इस पर एक टीम ने सांवेर में अवैध रेमडशिविर इंजेक्शन बेचने वाले व्यक्तियों से रेमडेशिविर का सौदा किया गया। सौदा तय होने पर घेराबंदी कर तीन युवक को पकड़ा, जिन्होंने अपना नाम टीपू खान (29), शाहरुख (23) और जफर खान (23) बताया। इनके कब्जे से एक रेमडेशिविर इंजेक्शन कंपनी कीमत करीबन तीन हजार रुपए के बरामद किए। एक रेमडेशिविर इंजेक्शन को उक्त आरोपी से 17 हजार रुपए में क्राइम ब्रांच टीम द्वारा खरीदने की बात की गई। आरोपियों द्वारा खण्डेलवाल तिराहा सांवेर पर जैसे ही आरोपियों द्वारा इंजेक्शन दिखाया गया, उसी समय सांवेर थाना और क्राइम ब्रांच की टीम ने दबोच लिया।

प्रदेश में कोरोना के सक्रिय केस एक लाख के पार, 90 की मौत

4445 हुए स्वस्थ तो वहीं 11598 संक्रमित मिले

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मरीजों की संख्या एक लाख के पार हो गई। वहीं शनिवार को 90 लोगों की मौत हो गई।

राज्य के स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार शनिवार को प्रदेशभर में कुल 66525 लोगों की सैंपल जांच की गई और इनमें से 11,598 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। अब तब 6,60,712 लोग संक्रमित हो चुके हैं। राहत की खबर है कि इनमें से 5,51,892 लोग कोरोना संक्रमण को मात देकर अपने घर पहुंच चुके हैं। अभी भी 1,02486 लोगों का इलाज चल रहा है। इस बीमारी से शनिवार को 4445 लोगों ने निजात पाया। शनिवार को संक्रमण दर 17.4 प्रतिशत आंका गया।

राज्य में अब तक 6334 लोग जान गंवा चुके है। इंदौर जिले में 1706 लोग संक्रमित मिले हैं। वहीं भोपाल जिले में 1561 लोगों में कोरोना संक्रमण पाये गए। इसके अलावा ग्वालियर जिले में 987, जबलपुर जिले में 825, उज्जैन जिले में 308, रतलाम जिले में 379, रीवा जिले में 313, दमोह में 220, सतना में 248, शिवपुरी में 252, नरसिंहपुर में 237, सीहोर में 204, अनूपपुर में 236, सीधी में 207 लोग कोरोना संक्रमित पाये गए हैं। राज्य के बाकी जिलों में भी 26 से 200 के बीच कोरोना मरीज मिले हैं।

झाबुआ जिले के जनसंपर्क अधिकारी बीएस रावत का कोरोना से निधन

झाबुआ। जिले में पदस्थ जनसंपर्क अधिकारी बीएस रावत का कोरोना के इलाज के दौरान आलीराजपुर में निधन हो गया। सूत्रों के अनुसार श्री रावत कोरोना संक्रमित हो गए थे और उनका इलाज आलीराजपुर के अस्पताल में चल रहा था और तड़के उनका निधन हो गया। श्री रावत जून माह में सेवानिवृत होने वाले थे।

जनसंपर्क के फोटोग्राफर रतिराम शाक्य का निधन

ग्वालियर। संभागीय जनसंपर्क कार्यालय के फोटोग्राफर रतीराम शाक्य का शनिवार सुबह 5:30 बजे कोरोना बीमारी के कारण उनका निधन हो गया। जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने रतिराम के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। इसके साथ ही उनके परिवार को इस गहरे दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

हाईकोर्ट में कल से ग्रीष्मकालीन अवकाश, फिर भी खुलेगी कोर्ट

अधीनस्थ न्यायालयों में प्रकरणों की आगामी पेशी तिथि घोषित

जबलपुर, (एजेंसी)। मप्र हाईकोर्ट की जबलपुर मुख्यपीठ सहित इंदौर व जबलपुर खंडपीठ में कल यानि सोमवार 10 मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषित है, जो कि आगामी 4 जून तक रहेगा। भले ही 10 मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरु हो रहे है, लेकिन इस दिन भी कोर्ट खुलेगा और प्रकरणों की सुनवाई होगी। जिसका कारण वैकेशन के दौरान लगने वाली स्पेशल कोर्ट है।

वैकेशन के दौरान सोमवार व गुरुवार को स्पेशल बेंच अर्जेंट मामलों की सुनवाई करती है। 10 मई को सोमवार होने के कारण हाईकोर्ट में प्रकरणों की सुनवाई होगी। इसके बाद 13 मई को मामलों की सुनवाई होगी। सप्ताह में दो ही दिन सोमवार व गुरुवार को वैकेशन के दौरान कोर्ट मामलों की सुनवाई करेगी।

अलग-अलग न्यायाधीशों को जवाबदेही सौंपी

मप्र हाईकोर्ट द्वारा कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार पर स्वतः संज्ञान लेकर जारी किये गये आदेश के परिप्रेक्ष्य में लंबित प्रकरणों की तिथि बढ़ाये जाने संबंधी आदेश पर अमल करते हुए जिला सत्र न्यायधीश सिविल व अपराधिक मामलों की आगामी पेशी की तिथि निर्धारित कर दी है। जिसके तहत 10 मई 21 को होने वाली अपराधिक मामलों की पेशी अब 31 मई व सिविल मामलों की 17 जून को निर्धारित की गई है। इसके साथ ही 11 मई के आपराधिक मामलों को 1 जून व सिविल मामलों को 18 जून तक के लिये बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही 12 मई को होने वाले अपराधिक प्रकरणों की सुनवाई 2 जून व सिविल के मामले 21 जून तक के लिये बढ़ा दिये गये है, 13 मई वाले अपराधिक मामले 3 जून व सिविल के मामले में 22 जून को निर्धारित किये गये है। इसके साथ ही अर्जेंट व जमानत सहित सिविल एवं क्रिमीनल के शीघ्र सुनवाई संबंधी प्रकरणों हेतु अलग-अलग न्यायाधीशों को जवाबदेही सौंपी गई है, जो कि प्रकरणों की सुनवाई करेंगे।

सरकारी स्कूल में शौचालय साफ करेगा दहेज प्रताड़ना का आरोपी

हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत का लाभ देकर सुनाई अनूठी सजा

कटनी। जबलपुर उच्च न्यायालय ने अभिनव पहल करते हुए कोतवाली के नईबस्ती क्षेत्र में दहेज प्रताडना के एक मामले में आरोपी को अग्रिम जमानत देने के लिए अनूठी व सुधारात्मक शर्त रखी है। जस्टिस शील नागू की सिंगल बेंच ने कहा कि आरोपी अपने नजदीकी सरकारी प्राथमिक शाला में स्वच्छता व आरोग्य सुनिश्चित करने के लिए शारिरिक एवं वित्तीय सहायता करेगा। कोर्ट ने कटनी डीईओ व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को कहा कि वे इस सामुदायिक सेवा में आवेदक को प्रोत्साहित करें। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता नजदीकी प्राथमिक स्कूल में आरोग्य, स्वच्छता व अधोसंरचनात्मक सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक व शारीरिक सहयोग दे। कोर्ट ने आवेदक की अर्जी मंजूर कर उसे केस चलने तक भारत न छोड़ने सहित अन्य शर्तों पर अग्रिम जमानत का लाभ दे दिया।

कोतवाली कटनी के नई बस्ती क्षेत्र निवासी भारत छावड़ा की ओर से अर्जी दायर की गई। अधिवक्ता योगेश सोनी ने कोर्ट को बताया कि आवेदक के भाई का विवाह 20 अप्रेल 2019 को हुआ। शादी के बाद पति-पत्नी में विवाद के चलते उसकी भाभी ने ससुराल पक्ष के खिलाफ पुलिस में दहेज प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई। इसी मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए आवेदक की ओर से यह अग्रिम जमानत की अर्जी प्रस्तुत की गई।

वृद्ध की अर्थी उठाने नहीं मिले चार कंधे पुलिस ने कराया अंतिम संस्कार

छतरपुर, (एजेंसी)। जिले के प्रकाश बम्हौरी थाना पुलिस की एक ऐसी मानवीय तस्वीर सामने आई है जिसने देशभक्ति-जनसेवा के नारे को सच साबित कर दिया।

दरअसल प्रकाश बम्हौरी गांव में रहने वाले 85 वर्षीय वृद्ध मूरत सिंह पिछले 5 दिनों से बीमार चल रहा था और इसी बीमारी के चलते उसका निधन हो गया। हालांकि वह कोरोना संक्रमित नहीं था लेकिन कोरोना की दहशत गांव में ऐसी है कि उसके बेटे भागीरथ को अपने पिता की अर्थी के लिए चार कंधे नहीं मिले। इसके बाद वह रोता-बिलखता मदद की गुहार लगाने प्रकाश बम्हौरी थाना पहुंचा। भागीरथ की पीड़ा सुनने के बाद थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह ने मानवता दिखाते हुए अपने दो आरक्षकों के साथ स्वयं पीपीई किट पहनकर मृतक मूरत सिंह की अर्थी को कंधा दिया और मृतक का अंतिम संस्कार कराया। इस मौके पर आरक्षक चंद्रभान और शिवम मौजूद रहे।

तालाब में डूबने से सगी तीन बहनों की मौत

सिंगरौली। जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत बरहपान गांव में तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई। मामला कोतवाली थाना के बरहपान गांव का है।

जानकारी के मुताबिक गोभा चौकी अंतर्गत आने वाले बरहपान गांव में अशोक गुर्जर की तीन बेटियां दोपहर तालाब में नहाने के लिए गई थी और वहीं उनकी जल समाधि हो गई काफी देर तक बच्चियां जब घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की इस दौरान तीनों सगी बहनों की जिनकी उम्र 9 साल 10 साल और 12 साल बताई जा रही है। तीनों के शव तालाब में मिले स्थानीय पुलिस को इस बात की सूचना दी गई और पुलिस मौके पर पहुंच कर शवो को अंतिम परीक्षण के लिए बैठन भेजा है। स्थानीय लोग बताते हैं कि कल हुई बारिश की वजह से तालाब का जलस्तर बढ़ गया।

निरीक्षण मुख्यमंत्री ने बुदनी में निर्माणाधीन कोविड केयर सेंटर का कार्य देखने पहुंचे

सेंटर में मरीजों को मिलें सभी बुनियादी सुविधाएं

20 मई तक पहले चरण में 144 बिस्तर किए जाएंगे तैयार

भोपाल,एजेंसी । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड केयर सेंटर बनाए जाएंगे। जहां मरीजों के लिए सभी व्यवस्थाएं होंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान शनिवार को सीहोर जिले के बुधनी में एकलव्य आवासीय विद्यालय परिसर में 300 बेड के कोविड केयर सेंटर का जायजा लेने पहुंचे थे। संभागायुक्त कवींद्र कियावत, आईजी, डीआईजी सहित कार्तिकेय सिंह चौहान और वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस अत्याधुनिक कोविड केयर सेंटर को 300 बेड्स के साथ शीघ्र शुरू किया जाएगा। इसमें रेपिड रिस्पांस टीम द्वारा मरीजों को भर्ती करने की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी। इस अस्थाई कोविड केयर अस्पताल के बनने से स्थानीय मरीजों को दूसरे शहर नहीं जाना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने एकलव्य आवासीय परिसर में बनाए जा रहे कोविड अस्पताल का मुआयना कर आईटीसी कंपनी के इंजीनियर और वरिष्ठ पदाधिकारियों से चर्चा की और ले-आउट के माध्यम से जानकारी प्राप्त की। आईटीसी के पदाधिकारियों ने बताया कि तीन फेस में इस अस्पताल को बनाया जाएगा। इसके प्रथम चरण में 144 बेड 20 मई तक बनाए जाएंगे जो अक्सीजन युक्त रहेंगे। इसके पश्चात द्वितीय और तृतीय फेस अगले 15 दिन में बनकर तैयार होंगे। श्री चौहान ने निर्देश दिए कि कोविड अस्पताल के समीप ही शौचालय बनवाएं जाएं ताकि भर्ती मरीजों को कोई परेशानी नहीं हो। उन्होंने अस्पताल बनाने के दौरान फायर सेफ्टी, पानी की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल में सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहने के निर्देश भी दिए।

भर्ती मरीजों से की चर्चा

इससे पहले मुख्यमंत्री श्री चौहान ने एकलव्य आवासीय परिसर में बने कोविड केयर सेंटर पहुँचकर भर्ती मरीजों से चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि भर्ती किए गए मरीजों के उचित उपचार हेतु सभी चिकित्सकीय सुविधाओं के साथ-साथ अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाए। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि कोविड सेंटर को अत्याधुनिक संसाधनों से परिपूर्ण किया जाए, जिससे इलाज के दौरान मरीजों को सभी सुविधाएं उपलब्ध रहें। श्री चौहान ने कोविड केयर सेंटर में भर्ती मरीजों सुश्री प्रियंका, राजेश, दीपक, रुद्र और शिवम से वीडियो कॉल के माध्यम से बात कर उनका हाल जाना और उन्हे शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए शुभकामनाएं भी दी।

कोरोना संक्रमित घबराएं नहीं सभी जल्द स्वस्थ होंगे

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को नसरुल्लागंज के आदिवासी बालिका छात्रावास में संचालित 40 बिस्तरों के कोविड केयर सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने भर्ती मरीजों से चर्चा की और कहा कि घबराएं नहीं, मनोबल बनाए रखें, कोरोना संक्रमण से सभी जल्दी ही स्वस्थ्य हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों से कोविड केयर सेंटर की व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सेंटर पर दवा, ऑक्सीजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोविड केयर सेंटर में भर्ती मरीजों को कोई परेशानी नहीं होना चाहिए। भर्ती किए गए मरीजों को अच्छे वातावरण में उचित उपचार मिले। श्री चौहान ने पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर नसरुल्लागंज का भी जायजा लिया।

परमाणु ऊर्जा विभाग देश के कोविड बुनियादी ढांचे में सहायता कर रहा है : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), डॉ.जितेंद्र सिंह ने कहा कि भाभा परमाणु केंद्र और परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) कोविड संबंधित उपकरणों तथा टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराने के जरिये महामारी से लड़ने में देश की सहायता कर रहे हैं। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक ऑनलाइन समीक्षा बैठक में डॉ. जितेंद्र सिंह ने कोविड-19 के दौरान जन कल्याण के लिए की गई पहलों की सराहना की। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि कोबाल्ट सोर्स का उपयोग करने के जरिये पीपीई किट्स के स्टरलाइजेशन के लिए किए गए प्रोटोकॉल के विकास में पीपीई किट्स के पुर्नउपयोग की संभावना है। इसी प्रकार, एचईपीए फिल्टर टेक्नोलॉजी के उपयोग के जरिये एन-99 मास्क का विकास किया गया है। उन्होंने ने कहा कि यह मास्क एन-95 मास्क से बेहतर है और एन-99 मास्क पहले ही तीन स्वतंत्र प्रयोगशालाओं द्वारा प्रमाणित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस टेक्नोलॉजी को व्यापक स्तर पर उत्पादन के लिए ट्रांसफर किया गया है क्योंकि यह टिकाऊ तथा एन-95 मास्क की तुलना में सस्ता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि परमाणु ऊर्जा विभाग ने पावर्ड रेस्पिरेटर्स, रीफर, पोर्टेबल प्लाज्मा स्टरलाइजेशन तथा मेडिकल अपशिष्टों के लिए प्लाज्मा इनसिनेरेशन टेक्नोलॉजी के अतिरिक्त, आरटी-पीसीआर टेस्टिंग के लिए सफलतापूर्वक रिएजेंट्स को भी डेवेलप किया है। डॉ. जितेंद्र सिंह को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि टाटा मेमोरियल के सभी अस्पतालों में कोविड से संक्रमित रोगियों के लिए 25 प्रतिशत बेड जो लगभग 600 हैं, आरक्षित कर दिये गये है। 6 एलपीएम के लगभग 5,000 ऑक्सीजन कंसट्रेटर्स विदेशों से दान के रूप में टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) द्वारा प्राप्त किए जा रहे हैं और इनमें से अधिकांश देश के अन्य कैंसर अस्पतालों में दे दिए जाएंगे। डॉ. जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि कोविड-19 की गंभीरता के लिए आनुवंशिक संवेदनशीलता निर्धारित करने के लिए वर्तमान में टाटा मेमोरियल अस्पताल के सहयोग से कोविड-19 के लिए निगरानी जांच अध्ययन किया जा रहा है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसे अनूठा और दुनिया में हो रहे दुर्लभतम अध्ययनों में से एक बताया जिसके परिणाम बहुत जल्द वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय के साथ साझा किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, एक अध्ययन उन मौखिक संकेतों का पता लगाने के लिए भी किया जा रहा है जो कोविड-19 की गंभीरता का अनुमान लगा सकते हैं।

जयंत के कंधों पर अजित की विरासत का भार

मेरठ, (एजेंसी)। राष्ट्रीय लोकदल के उत्तराधिकारी चौधरी जयंत सिंह के लिए पिता चौधरी अजित सिंह बरगद की तरह थे, लेकिन 6 मई को कोरोना संक्रमण उन्हें निगल गया। पिता अजित सिंह के इस दुनिया से जाने के बाद जयंत पर पूरे जाटलैंड को संभालने और पार्टी को मजबूत करने की जिम्मेदारी आ गई। इतना ही नहीं जयंत के कंधों पर अपने दादा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की विरासत को संभालने, अजगर (अहिर, जाट, गुर्जर, राजपूत) को पुनर्जीवित करने की भी जिम्मेदारी है। जयंत सिंह के जिम्मे यह चुनौती ऐसे समय में आई है, जब मुकाबले में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2017 में 325 सीट जीतने वाली भाजपा और उनके दादा की विरासत पर कब्जा जमा चुकी समाजवादी पार्टी है। समाजवादी पार्टी की कमान अब पूरी तरह से मुलायम सिंह के बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के हाथ में है। मुलायम सिंह यादव जयंत के दादा चौधरी चरण सिंह को अपना राजनीतिक गुरु मानते हैं।

शिमला। राज्यपाल ने रेडक्रॉस स्वयंसेवियों से कोरोना महामारी में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

शिमला। मुख्यमंत्री ने विकासात्मक परियोजनाओं का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए।

पहले की तुलना में लॉकडाउन की जरूरत अब अधिक, केंद्र सरकार करे फैसला : गहलोत

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोरोना वायरस संक्रमण पर काबू पाने के लिए लॉकडाउन को जरूरी बताते हुए शनिवार को कहा कि यह फैसला केंद्र सरकार के स्तर पर होना चाहिए। गहलोत ने यहां एक बयान में कहा, कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए पहले की तुलना में लॉकडाउन लगाए जाने की अब जरूरत है। पिछले अनुभव के आधार पर यह फैसला केन्द्र सरकार के स्तर पर होना चाहिए जिससे मजदूरों सहित आम लोगों को कम से कम तकलीफ हो एवं साथ में राज्यों के बीच बेहतर समन्वय हो सके।

उन्होंने कहा आज तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली सहित कई राज्य एक के बाद एक लॉकडाउन लगाते जा रहे हैं। कई राज्य दूसरे राज्यों के नागरिकों का प्रवेश बंद कर रहे हैं। हमने भी राज्य में सोमवार से सख्त लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है। यह देखा गया है कि इस बार ग्रामीण इलाकों एवं युवाओं में कोरोना वायरस संक्रमण तेज गति से फैल रहा है।

संक्रमण के प्रसार पर काबू पाने के लिए राज्य भर में सोमवार से सख्त लॉकडाउन लागू रहेगा। हम सभी का कर्तव्य बनता है कि हम अपना नागरिक धर्म निभाएं और लॉकडाउन का पूरी तरह से पालन करें जिससे राजस्थान को कोरोना संक्रमण से बचाया जा सके। गहलोत ने कहा कि लोगों के सहयोग से राजस्थान अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर स्थिति में है और जनता अगर इसी तरह साथ देगी तो जल्द से जल्द कोरोना पर विजय प्राप्त होगी। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण की कड़ी तोड़ने के लिए राज्य में 10 मई से 24 मई तक सख्त लॉकडाउन लागू करने का निर्णय किया है। इस दौरान कोई विवाह समारोह नहीं होगा और सभी धार्मिक स्थल बंद रहेंगे। ग्रामीण इलाकों में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के कार्य भी इस दौरान स्थगित रहेंगे।

कोविड फैसिलिटी में भर्ती होने के लिए पॉजिटिव रिपोर्ट जरूरी नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना मरीजों को कोविड फैसिलिटी में भर्ती कराने की राष्ट्रीय नीति में बदलाव किया है। अब कोविड हेल्थ फैसिलिटी में भर्ती होने के लिए कोविड पॉजिटिव रिपोर्ट अनिवार्य नहीं होगी। सरकार ने बताया कि मरीजों को ध्यान में रखकर यह कदम उठाया गया है। इससे कोरोना के लक्षणों वाले मरीजों का तुरंत इलाज शुरू किया जा सकेगा। अभी तक कोविड फैसिलिटी में भर्ती के लिए कोविड पॉजिटिव रिपोर्ट जरूरी होती थी। केंद्र सरकार ने कोविड मरीजों को देख रहे सभी निजी अस्पतालों सहित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस बारे में निर्देश जारी किए हैं। निदेर्शों में कहा गया है कि जिन मामलों में संदेह है, उन्हें सीसीसी, डीसीएचसी या डीएचसी के सस्पेक्ट वॉर्ड में भर्ती किया जाए। किसी भी मरीज को सेवाएं देने से मना नहीं किया जाएगा। इन सेवाओं में ऑक्सिजन या जरूरी दवाओं को देना शामिल है। फिर भले मरीज दूसरे शहर का ही क्यों न हो। सरकार ने साफ कहा है कि किसी के पास मान्य पहचान पत्र नहीं होने के आधार पर उसे भर्ती करने से मना नहीं किया जाए। अस्पताल में मरीज को जरूरत के आधार पर भर्ती किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जिन लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं है, वे बेवजह बेड नहीं लें। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रधान सचिवों से तीन दिन के भीतर इन निदेर्शों को लेकर आदेश और सर्कुलर जारी करने के लिए कहा है। केंद्र सरकार ने कोविड मरीजों को देख रहे सभी निजी अस्पतालों सहित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस बारे में निर्देश जारी किए हैं।

प. बंगाल में हुई राज्यव्यापी हिंसा पूर्व नियोजित और लोकतंत्र के खिलाफ : होसबोले

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि चुनाव नतीजे आने के तुरंत बाद हुई राज्यव्यापी हिंसा पूर्व नियोजित और लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में दो मई को विधानसभा चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद से हिंसा की अनेक घटनाएं सामने आई हैं। राज्य में हिंसा का दौर अब भी जारी है। राज्य के चुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को भारी बहुमत हासिल हुआ है, जबकि भाजपा मुख्य विपक्षी दल के रूप में सामने आई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने अपने बयान में कहा कि बंगाल में असामाजिक शक्तियों ने महिलाओं के साथ घृणास्पद बर्बर व्यवहार किया, निर्दोष लोगों की क्रूरतापूर्ण हत्याएं कीं, घरों को जलाया।

उन्होंने दावा किया कि इन घटनाओं में व्यवसायिक प्रतिष्ठानों-दुकानों को लूटा एवं हिंसा के फलस्वरूप अनुसूचित जाति-जनजाति समाज के बंधुओं सहित हजारों लोग अपने घरों से बेघर होकर प्राण-मान रक्षा के लिए सुरक्षित स्थानों पर शरण के लिए मजबूर हुए हैं। संघ के सरकार्यवाह ने आरोप लगाया कि इस पाशविक हिंसा का सर्वाधिक दुखद पक्ष यह है कि शासन और प्रशासन की भूमिका मूक दर्शक की रही है। दंगाइयों में न कोई डर है और न ही शासन-प्रशासन की ओर से नियंत्रण की कोई प्रभावी पहल दिखाई दी।

होसबोले ने कहा चुनाव परिणामों के तुरंत बाद उन्मुक्त होकर की गई राज्यव्यापी हिंसा न केवल निंदनीय है, बल्कि पूर्व नियोजित भी है। उन्होंने कहा कि चुनाव में विभिन्न जीतते-हारते हैं, पर निर्वाचित सरकार पूरे समाज के प्रति जवाबदेह होती है। उन्होंने कहा हम नव निर्वाचित सरकार से आग्रह करते हैं कि उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता राज्य में चल रही हिंसा को तुरंत समाप्त करने की होनी चाहिए। इसके साथ ही इस हिंसा को भड़काने वाले दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।

आरएसएस के सरकार्यवाह ने कहा हम केंद्र सरकार से भी आग्रह करते है कि वह बंगाल में शान्ति कायम करने हेतु आवश्यक कदम उठाए एवं यह सुनिश्चित करे कि राज्य सरकार भी इसी दिशा में कार्रवाई करें। होसबोले ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज के सभी प्रबुद्ध जनों, सामाजिक-धार्मिक-राजनैतिक नेतृत्व का भी आहवान करता है कि इस संकट की घड़ी में वे पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होकर विश्वास का वातावरण बनाए, हिंसा की कठोर शब्दों में निंदा करें एवं समाज में सद्भाव और शांति व भाईचारे का वातावरण खड़ा करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

कोलकाता में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ने से बढ़ी ऑक्सीजन की मांग

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के अस्पतालों में भर्ती 10 कोविड मरीजों में से 9 को अब ऑक्सिजन सपोर्ट की जरूरत पड़ रही है।इसकारण पिछले हफ्ते से शहर के अस्पतालों में ऑक्सिजन की मांग दोगुनी बनी हुई है। इसके पहले अस्पतालों को ऑक्सिजन की रिफिलिंग दो दिन में एक बार करनी पड़ती थी लेकिन कई अस्पतालों को अब दिन में दो बार अपना ऑक्सिजन टैंक भरवाना पड़ रहा है। प्रायवेट अस्पताल के जोनल डायरेक्टर ने बताया कि हमारी रोजाना की ऑक्सिजन खपत 3000 किलो से बढ़कर 6000 किलो के आसपास पहुंच गई है। आरएन टैगोर हॉस्पिटल में भर्ती 270 कोविड मरीजों में से 80 फीसदी को ऑक्सिजन सपोर्ट की जरूरत है। सौभाग्य से हमारा ऑक्सिजन ऑक्सिजन टैंक 11,000 लीटर की क्षमता वाला है। लेकिन आजकल हमें इस रोजाना रिफिल कराना पड़ रहा है ताकि कोई अनहोनी न हो। शहर के एक और कोविड केयर सेंटर रूबी जनरल हॉस्पिटल के जनरल मैनेजर (ऑपरेशंस) सुभासीष दत्ता ने बताया कि हमारे अस्पताल में ऑक्सिजन टैंक की क्षमता 3000 लीटर है।इस रोजाना दिन में दो बार भरना पड़ता है। अस्पताल में भर्ती 170 कोरोना मरीज में से 50 फीसदी से ज्यादा आईसीयू में भर्ती हैं जिन्हें तेजी के साथ ऑक्सिजन सपोर्ट की जरूरत है। कई दूसरों मरीजों को भी ऑक्सीजन थैरेपी की जरूरत है। मार्च तक हम दो दिन में एक बार ऑक्सिजन टैंक फुल कराते थे लेकिन फिलहाल ऑक्सिजन की मांग काफी ज्यादा है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रूडी के कार्यालय में धूल खा रही 50 से अधिक नई एंबुलेंस

छपरा, (एजेंसी)। बिहार के सारण से लोकसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी कोरोना काल में 50 से अधिक नई एंबुलेंस को सांसद के कार्यालय परिसर में यूंही खड़ा रखने के मामले में फंसते नजर आ रहे हैं। जन अधिकार पार्टी के नेता पप्पू यादव ने सारण जिले के अमनौर जाकर सासंद के कार्यालय के अंदर खड़ी दर्जनों एंबुलेंस की तस्वीरें और वीडियो आम लोगों को दिखाए। पप्पू यादव ने बताया कि वहां 100 से अधिक एंबुलेंस इसतरह बेकार खड़ी रखी गई हैं, जबकि देश भर में लोग एंबुलेंस की कमी से जान गंवा रहे हैं।

पूर्व सांसद पप्पू यादव अपने काफिले के साथ अचानक अमनौर सामुदायिक केंद्र पहुंच गए। बीजेपी सांसद रूडी के कार्यालय पर चौकीदार सहित अन्य कर्मियों के विरोध के बावजूद पप्पू ने चालकों की कमी से पंचायतों द्वारा लौटाई गईं एम्बुलेंसों की फोटो खींची। इस दौरान पप्पू ने कहा कि बिहार में कोरोना संक्रमित एंबुलेंस के बिना जान गंवा रहे हैं और यहां इतनी बड़ी संख्या में वाहन ढंककर रखे गए हैं। पप्पू ने कहा कि मैं सांसद से पूछना चाहता हूं कि ऐसा क्यूं पप्पू ने कहा कि यहां 100 से अधिक एंबुलेंस खड़ी रखी गई थीं, जिन्हें उनके आने की सूचना के बाद हटा लिया गया है। मामले को लेकर सांसद रूडी ने कहा कि कोविड मरीजों की सेवा में लगी एम्बुलेंस को पप्पू यादव का अपने समर्थकों के साथ बाधित करना और सेवा में लगे कार्यकताओं से भिड़ना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि पप्पू ड्राइवर दें और सभी एम्बुलेंस सारण में चलवाएं। हम निःशुल्क सभी गाड़ी देने को तैयार हैं। राजीव ने कहा कि पप्पू के किसी भी संदर्भ में ज्ञान नहीं है।

सांसद ने कहा कि पप्पू यादव को पता नहीं है, कि सारण जिले में कितनी एम्बुलेंस का ग्राम पंचायतों में परिचालन हो रहा है। सांसद ने कहा कि उन्हें पहले यह पता कर लेना चाहिए था कि सारण में सांसद निधि की कितनी एम्बुलेंस चलाई जा रही है।

धर्मशाला। कांगड़ा जिला में मीडियाकर्मियों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू।

भारत के बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के कारण हो रही कोरोना से ज्यादा मौंते

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में कोरोना की दूसरी लहर ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया है। भयावह बात ये है, कि तीसरी लहर की भी चेतावनी दी गई है। लेकिन कभी किसी ने इस बात की जांच करने की कोशिश की कि भारत में कोरोना संकट अचानक तीव्र हुआ है या फिर धीरे-धीरे कुछ लोग कह रहे हैं कि स्वास्थ्य प्रणाली को सुधारने में पैसे कम लगाए गए। कुछ लोग नए कोरोना वैरिएंट्स को दोष दे रहे हैं।ये सब सही है...लेकिन सबसे प्रमुख वजहों में से एक है भारत में जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और जीवाश्म ईंधन यानी पेट्रोल-डीजल-कोयला आदि है। इन तीनों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक सेंटर फॉर साइंस एंड एनवॉयरमेंट की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनुमिता रॉय चौधरी ने बताया कि पिछली बार वैज्ञानिकों ने महामारी के शुरूआत में वायु प्रदूषण और कोरोना के संबंधों का खुलासा किया था। ये बात स्पष्ट थी कि वायु प्रदूषण से कोरोना फैलने का खतरा ज्यादा है। भारत में ऐसे शहर हैं जो दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में गिने जाते हैं। क्योंकि ऐसी जगहों पर जो लोग रहते हैं, उनका रेस्पिरेटरी सिस्टम यानी सांस लेने की प्रणाली पहले ही प्रदूषण की वजह से कमजोर होती है। अब इन लोगों को अगर कोरोना ने जकड़ लिया,तब उनके फेफड़ों की हालत तो खराब हो ही जाएगी।

भारत में भी वायु प्रदूषण और कोरोना के संबंध पर कई रिसर्च हुए है, लेकिन किसी में भी बड़ी तस्वीर नहीं दिखाई गई है।पिछले साल दिसंबर में कार्डियोवस्कुलर रिसर्च जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक पर्टिकुलेट मैटर यानी पीएम प्रदूषण से लोगों को क्रॉनिक एक्सपोजर होता है।ये प्रदूषण पराली जलाने, गाड़ियों के धुएं और इंड्स्ट्री के धुएं की वजह से होता है। पूरी दुनिया में कोरोना से जितने लोग मारे गए। उनमें 15 फीसदी पहले से ही वायु प्रदूषण की वजह से क्रॉनिक बीमारियों के शिकार थे।कोरोना वजह से दिक्कत है। ये दिक्कत हुई है उन्हें गाड़ियों से निकलने वाले धुएं से।यानी पेट्रोल-डीजल और कोयले के जलने से,इसकारण आपने देखा होगा कि सर्दियों में दिल्ली-एनआरसी के लोग कोरोना से पहले भी चेहरे पर मास्क लगाकर रखते थे।

भारत में कई स्टडीज हुई हैं, इसमें वायु प्रदूषण और कोरोना का आपसी संबंध दिखाया गया है। लगातार वायु प्रदूषण वाले स्थान पर रहने से या गुजरने से आपको कई तरह की बीमारियां हो सकती है।जैसे-दमा या डायबिटीज या फेफड़ों या दिल संबंधी कोई बीमारी। ये सारी बीमारियां कोरोना संक्रमण के दौरान स्थिति और गंभीर कर देती हैं।

वहीं एक स्टडी के अनुसार कोविड-19 के मामलों, वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसे हवा और आद्रता आदि का आपस में सीधा संबंध है। दिल्ली में कोरोना की स्थिति गंभीर करने के पीछे इन सबका हाथ है। वर्ल्ड बैंक की स्टडी में स्पष्ट तौर पर कहा गया हैं कि यदि भारत में वायु प्रदूषण और अधिक बढ़ता हैं, तब भारत में कोरोना से और अधिक मौतें हो सकती है। वर्ल्ड बैंक ने भारत की सरकार को सलाह दी गई थी कि देश के साफ-सुथरे ईंधन की व्यवस्था तत्काल करनी होगी। यातायात प्रणाली से हो रहे वायु प्रदूषण को कम करना होगा।इसके बाद ही आप कोरोना से लोगों को बचाने के लिए मास्क और वैक्सीनेशन की सलाह दे सकते हैं। देश के वैज्ञानिकों में आपसी सहमति है कि भारत में वायु गुणवत्ता को सुधारने की जरूरत है।

विराट कोहली और अनुष्का ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए दो करोड़ की मदद की

भारतीय कप्तान विराट कोहली और उनकी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा ने कोविड-19 महामारी के खिलाफ देश की लड़ाई में मदद के लिये दो करोड़ रुपये का दान किया है। उनका लक्ष्य सात करोड़ रुपये जुटाने का है। ये दोनों आम जनता से धन जुटाने वाली संस्था केटो के जरिये यह धनराशि इकट्ठा कर रहे हैं। कोहली और अनुष्का की तरफ से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, ''विराट कोहली और बॉलीवुड सुपरस्टार अनुष्का शर्मा का भारत में कोविड राहत कोष के लिये सात करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। '' इसमें कहा गया है, ''वे लोगों से धन जुटाने वाले मंच (क्राउड फंडिंग प्लेटफार्म) केटो के जरिये एक अभियान शुरू कर रहे हैं और उन्होंने अपनी तरह से दो करोड़ रुपये दान किये हैं। '' यह अभियान केटो पर सात दिन तक चलाया जाएगा। इससे जुटायी गयी धनराशि एसीटी ग्रांट्स नामक संस्था को दी जाएगी जो कि ऑक्सीजन और चिकित्सा से जुड़ी अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्षेत्र में काम करती है। कोहली ने कहा, ''हमारा देश इस समय मुश्किल दौर से गुजर रहा है। हमारे देश को अभी हम सभी के एकजुट होने और अधिक से अधिक लोगों की जान बचाने की जरूरत है। मैं और अनुष्का पिछले एक साल से लोगों की पीड़ा देखकर आहत हैं।'' कोहली ने कहा कि उन्होंने और उनकी पत्नी ने वायरस के खिलाफजंग में अधिक से अधिक लोगों की मदद करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, ''हम अधिक से अधिक लोगों की मदद करने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारत को अभी हमारी सबसे अधिक सहायता की जरूरत है। हमनेइस विश्वास के साथ धन जुटाने का बीड़ा उठाया है हम जरूरतमंद लोगों के लिये पर्याप्त धन जुटा सके। हमें विश्वास है कि लोग अपने देशवासियों की मदद के लिये आगे आएंगे। हम एकजुट हैं और हम इससे पार पाने में सफल रहेंगे।

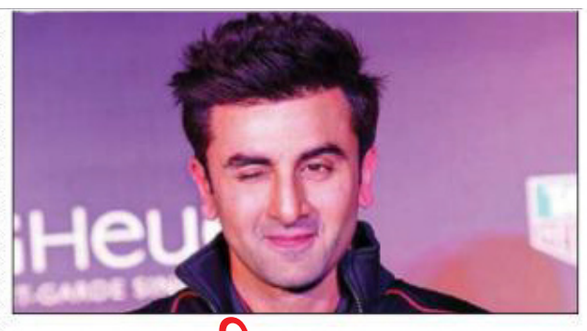

रणबीर कपूर इस हीरोइन को किस करते समय हो गए थे बेकाबू

चॉकलेट बॉय रणबीर कपूर बेहद रोमांटिक हैं। दीपिका पादुकोण और कैटरीना कैफ के साथ उनका खूब रोमांस चला था। तो ऐसे ही दिलफेंक हीरो का जब फिल्म ये जवानी है दीवानी में एक किसिंग सीन फिल्माया गया तो वे बेकाबू हो गए थे और ये हीरोइन दीपिका पादुकोण नहीं थी। इस हीरोइन का नाम था एवलिन शर्मा। एवलिन को रणबीर कपूर डायरेक्टर के कट बोलने के बाद भी किस करते रहे और उन्हें थोड़ी देर बाद समझ आया कि कट बोला जा चुका है। वैसे रणबीर से जुड़े लोगों का कहना था कि वे सीन में इतना डूब गए थे कि कट की आवाज ही नहीं सुन पाए और यह गड़बड़ी हो गई। जर्मन मॉडल और एक्ट्रेस एविलन शर्मा ने बॉलीवुड में 'फॉम सिडनी विद लव' से शुरुआत की थी। यारिया, हिंदी मीडियम, जब हैरी मेट सेजल जैसी कुछ फिल्मों में वे दिखाई दीं, लेकिन अभी तक उनकी ठोस पहचान नहीं बन पाई।

सलमान खान की फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' का अब यह हो सकता है नाम

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की कई फिल्में इस साल रिलीज होने की कतार में हैं। हाल में सलमान अपनी फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' को लेकर सुर्खियों में थे। बीते दिनों खबर आई थी कि सलमान की इस फिल्म का नाम बदल सकता है। बताया जा रहा है कि विवादों से बचने के लिए इस फिल्म का नाम बदलने का विचार किया जा रहा है। अब जानकारी सामने आ रही है कि सलमान की इस फिल्म का नाम बदल कर 'भाई जान' रखा जा सकता है। खबरों के मुताबिक, 'कभी ईद कभी दिवाली' के प्रोड्यूसर ने इस फिल्म का नया टाइटल 'भाई जान' रखा है। साजिद नाडियाडवाला को लगता है कि वह केवल सलमान हैं, जो 'भाई जान' की उपाधि को धारण कर सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए 'कभी ईद कभी दिवाली' का संभावित नाम रखा गया है। उन्हें लगता है कि फिल्म का यह टाइटल फिल्म के विषय को न्यायसंगत ठहराएगा। बताया जा रहा है कि मेकर्स फिल्म के टाइटल को 'भाई जान' रखने को लेकर सलमान से बातचीत में लगे हैं। सलमान को लगता है कि मेकर्स को 'कभी ईद कभी दिवाली' के टाइटल के साथ दर्शकों के बीच जाना चाहिए। फिल्म में पूजा हेगड़े फीमेड लीड किरदार में नजर आएंगी। सलमान के बहनोई आयुष शर्मा और जहीर इकबाल भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में दिखेंगे। 'टाइगर 3' की शूटिंग खत्म करने के बाद सलमान इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी द्वारा किया जाएगा। इस फिल्म में सलमान पहली बार अभिनेत्री पूजा के साथ रोमांस करते नजर आएंगे।

मेरा संघर्ष कम नहीं

दबंगत अभिनेता अमरीश पुरी के पोते अभिनेता वर्धन पुरी ने कहा है कि उनका संघर्ष किसी भी अन्य अभिनेता से अलग नहीं रहा है क्योंकि उनके दादा तब उनके पास नहीं थे जब उन्होंने सिनेमा में कदम रखा था। उन्होंने बताया, 'इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाना बहुत मुश्किल है। लोग इस बात पर यकीन नहीं करेंगे लेकिन यह आसान नहीं था मेरे दादाजी का निधन तब हो गया था जब मैं बहुत छोटा था और वह मेरे लिए कॉल करने या फिल्म निर्माताओं के कार्यालयों में ले जाने के लिए मौजूद नहीं थे।' 2019 में फिल्म 'ये साली आशिकी' से अपनी शुरूआत करने वाले अभिनेता ने अपने दादा के साथ अपनी शानदार यादों को याद किया। उन्होंने कहा ''हर कोई यह जानने के लिए बहुत उत्सुक है कि दादू क्या थे। मेरे पास सबसे अच्छी यादें हैं, जब हम एक साथ फिल्में देखा करते थे। मैं लंबे समय से उस समय को वापस जीना चाहता हूं। मुझे चैप्लिन की फिल्में देखना याद आता है, उस वक्त हम साथ बैठकर नाश्ता करते और ब्रेक के दौरान परिवार से बातचीत करते थे।' वर्धन आज एक साल और बड़े हो गए और उन्होंने याद किया कि उनके दादाजी उनके जन्मदिन समारोह का एक बड़ा हिस्सा हुआ करते थे। उन्होंने कहा, कि बचपन में, मेरा परिवार, दोस्त और मैं चाचा के खेत मड आइलैंड जाते थे और पूरे दिन खेलों में भाग लेते थे। मेरे दादा-दादी उसने जज हुआ करते थे और पुरस्कार देते थे। यह सबसे अच्छा था। अभिनेता की योजना इस साल कोविड से प्रभावित लोगों की मदद करने की है। उन्होंने कहा, 'यह जन्मदिन मैं कोविड से पीड़ित रोगियों को चिकित्सा सेवा देने के लिए एक एनजीओ के साथ हूं। इसके अलावा, रात के खाने के बाद मैं अपने माता-पिता, मेरी बहन साची, उनके पति निशांत और मेरे साथ रहने वाले मेरे सहायकों के साथ समय बिताने की योजना बना रहा हूं। उसके बाद, मैं करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक जूम कॉल पर मिलूंगा और शायद कुछ गेम खेलूंगा। मैं इस बार सरलता से मनाना चाहता हूं। मैं हर चीज के साथ जश्न मनाने के मूड में नहीं हूं। ' अभिनेता अब अगली फिल्म 'द लास्ट शो' में दिखाई देंगे।

मेरे लिए सही इंसान नहीं थे अश्मित

बिग बॉस फेम और एक्ट्रेस महक चहल और अश्मित पटेल ने भी 5 साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। दोनों ने सगाई भी की, लेकिन फिर उन्होंने अपनी सगाई तोड़ दी थी। महक और अश्मित के ब्रेकअप की खबरों ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। अब इस मुद्दे पर एक बार फिर महक ने अपने दिल की बात कही है। अश्मित पटेल के साथ ब्रेकअप के बारे में महक ने कहा कि वो इस रिश्ते को खत्म करने के लिए खुद को कसूरवार नहीं मानती हैं। उन्होंने कहा कि, जब आप किसी के साथ रहने लगते हैं, उसे करीब से जानने लगते हैं तब आपको उसको बेहतर ढंग से जान पाते हैं। मुझे लगता है कि अश्मित पटेल मेरे लिए सही इंसान नहीं थे। ब्रेकअप के बाद से मेरा परिवार और मेरे दोस्त मेरे साथ मौजूद रहे। मैंने उन्हें अपने दिल की बात कही। लॉकडाउन के चलते मैंने काफी सारा वत गोवा में बिताया और सिर्फ जरूरत पड़ने पर मुंबई आती थी। महक ने कहा, वत की सबसे अच्छी बात यही है कि ये सब ठीक कर सकता है। हालांकि कोरोना के चलते कोई काम नहीं था तो ये आसान नहीं था, लेकिन अब मैं पूरी तरह ठीक हो चुकी हूं। महक ने ये भी बताया कि अगर अश्मित से उनका ब्रेकअप नहीं हुआ होता तो वो गोवा नहीं जाती।

राखी सावंत का दावा- मुझे और मेरी फैमिली को कभी नहीं होगा कोरोना

ड्रामा क्वीन राखी सावंत अक्सर ऐसे बयान देती है कि लोग हैरान हो जाते हैं। इन दिनों देश में कोरोना की दूसरी लहर तबाही मचा रखी है। हर दिन लाखों लोग इस वायरस की चपेट में आ रहे हैं। इसी बीच राखी सावंत ने दावा किया है कि वो कोरोनावायरस की चपेट में नहीं आ सकती हैं। इस दावे के पीछे उन्होंने वजह भी बताई है। राखी सावंत का एक वीडिटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राखी दावा कर रही हैं कि उन्हें या उनकी फैमिली को कभी कोरोना नहीं होगा, क्योंकि उनके शरीर में यीशू का पवित्र लहू है। राखी के वीडियो पर तमाम तरह के कॉमेंट्स आ रहे हैं। वहीं राखी ने देश में वैक्सीन की कमी पर चिंता जताते हुए कहा कि उनके हिस्से की वैक्सीन जरूरतमंद को लगा दी जाए। राखी ने निक्की तंबोली के भाई के निधन पर भी दुख जाहिर किया। उन्होंने बताया कि बिग बॉस में अक्सर निक्की अपने भाई के बारे में बात करती थीं। राखी ने कंगना के ट्विटर सस्पेंड होने के मुद्दे पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि, इस तरह की भड़काऊ बातें करना भी देश के साथ गद्दारी करने जैसा है।

इंग्लैंड के लिए रवाना होने से पहले चुने खिलाड़ियों को कड़े क्वारंटीन में रहना होगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना के बीच क्रिकेट की वापसी के बाद भारतीय टीम अपने दूसरे विदेशी दौरे पर जून में इंग्लैंड जाएगी। इससे पहले टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलना है। ये मुकाबला 18 से 22 जून के बीच होगा। इसके बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट की सीरीज खेलेगी। इसकी शुरूआत अगस्त में होगी। हालांकि, इंग्लैंड के लिए रवाना होने से पहले चुने खिलाड़ियों को कड़े क्वारंटीन में एक हफ्ते के लिए रहना होगा।

कोच रवि शास्त्री की अगुआई में 20 सदस्यीय भारतीय टीम 25 मई को मुंबई में इकठ्ठा होकर तैयार किए बायो-बबल में 8 दिन के लिए रहेगी। इस दौरान दो से तीन बार सभी सदस्यों का कोरोना टेस्ट होगा। टीम दो जून को इंग्लैंड के लिए रवाना होकर वहां पहुंचने के बाद 10 दिन क्वारंटीन रहेगी।इसके बाद 18 जून को न्यूजीलैंड के खिलाफ साउथैम्प्टन में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलने उतरेगी।

बीसीसीआई के अधिकारी ने बताया कि भारतीय खिलाड़ी 25 मई को बायो-बबल में प्रवेश करने के बाद, 8 दिन क्वारंटीन रहने वाले है। इस दौरान खिलाड़ियों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। दो जून को इंग्लैंड के लिए रवाना होने के बाद टीम वहां अपना दूसरा क्वारंटीन पीरिड पूरा करेगी। ये 10 दिन का होगा। हालांकि, एक बायो-बबल से दूसरे में जाने के कारण इस अवधि में भारतीय खिलाड़ी प्रैक्टिस कर सकते है। इस दौरान भी खिलाड़ियों के लगातार कोरोना टेस्ट होगा। तीन महीने लंबा दौरा होने के कारण भारतीय खिलाड़ियों को अपना परिवार ले जाने की इजाजत होगी।

भारतीय टीम को इंग्लैंड में 10 दिन आइसोलेशन में रहना पड़ सकता है भारतीय नागरिकों को अभी ब्रिटेन में प्रवेश करने से रोक दिया गया है। लेकिन बड़े खिलाड़ियों को इंग्लैंड में प्रवेश की अनुमति है। बशर्ते वहां सरकार द्वारा तय किए गए होटल में 10 दिन के लिए क्वारंटीन पीरियड पूरा करें। हालांकि, बीसीसीआई और ईसीबी इसकी कोशिश कर रहे हैं कि खिलाड़ियों को इंग्लैंड में तीन दिन ही आइसोलेशन में रहना पड़े। क्योंकि वहां भारत में पहले से ही सात दिन क्वारेंटाइन में रहकर ही इंग्लैंड पहुंचने वाले है।

भारत ने एक दिन पहले ही इंग्लैंड दौरे और वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए 20 सदस्यीय टीम का ऐलान किया था। हार्दिक पंड्या और कुलदीप यादव को मौका नहीं मिला है। वहीं, चोट से उबरे रविंद्र जडेजा की टीम में वापसी हुई है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट की सीरीज का आगाज नॉटिंघम में 4 अगस्त से होगा। दूसरा टेस्ट 12 अगस्त को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेला जाएगा। सीरीज का तीसरा मैच 25 अगस्त को लीड्स में होगा। चौथा टेस्ट लंदन के ओवल मैदान पर 2 सितंबर से होगा। पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच मैनचेस्टर में 10 सितंबर से होगा।

भारतीय टीमः विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे (उप कप्तान), रोहित शर्मा, शुभमन गिल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, हनुमा विहारी, ऋषभ पंत, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर और उमेश यादव है।

फिट होने पर जगह मिलेगीः केएल राहुल और ऋद्धिमान साहा.

स्टैंडबाय खिलाड़ीः अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश और अरजान नागवासवाला।

चीन के सिचुआन प्रांत के चेंगदू में 2021 चीनी राष्ट्रीय जिमनास्टिक चैंपियनशिप में हिस्सा लेतीं हेनान की लू युफेई।

मैड्रिड में खेले गए मटुआ मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में मैच के दौरान अमेरिका के जॉन इस्नर को गेंद रिटर्न करते ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम।

केकेआर के खिलाफ सिराज के प्रदर्शन को सबा करीम ने बताया अपना फेवरेट स्पैल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल को कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से बीते मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले इस लीग में फैन्स को बल्लेबाजों और गेंदबाजों द्वारा कई दमदार प्रदर्शन देखने को मिला। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सबा करीम से जब उनके इस सीजन में पसंदीदा स्पैल की बात की गई तो उन्होंने एक मैच में पांच-पांच विकेट लेने वाले आंद्रे रसेल या हर्षल पटेल का नाम नहीं लिया, बल्कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का नाम लिया।

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ सिराज के प्रदर्शन को अपना फेवरेट स्पैल बताते हुए सबा करीम ने कहा इस मैच में सिराज ने शानदार गेंदबाजी की थी, जिसके चलते वह आंद्रे रसेल को बड़े शॉट्स लगाने में रोक पाए थे। बता दें कि इस मैच में सिराज ने सिर्फ 3 ओवर फेंके और किफायती गेंदबाजी करते हुए मात्र 17 रन ही दिए थे। उन्होंने कहा कि सिराज ने पारी का 19वां ओवर फेंका था, जिसमें उनके सामने रसेल बैटिंग कर रहे थे। उस समय केकेआर की टीम को जीतने के लिए 2 ओवरों में लगभग 40 रनों की जरूरत था। सिराज ने इस ओवर में एक भी बाउंड्री लगने नहीं दी। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने सिराज की तारीफ करते हुए कहा कि, जिस तरह के आंद्रे रसेल बल्लेबाज हैं, अगर उन्होंने उस ओवर में दो या तीन छक्के लगाए होते तो केकेआर के पक्ष में मैच का नतीजा होता। इसलिए मोहम्मद सिराज का वह ओवर शानदार था।

मॉस्को ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता रविंदर पाल की कोरोना से मौत

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व सदस्य और मॉस्को ओलंपिक 1980 के स्वर्ण पदक विजेता रविंदर पाल सिंह ने करीब दो सप्ताह कोरोना संक्रमण से जूझने के बाद शनिवार को अंतिम सांस ली। रविंदर पाल सिंह को 24 अप्रैल को लखनऊ के विवेकानंद अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार वह कोरोना संक्रमण से उबर चुके थे और टेस्ट नेगेटिव आने के बाद कोरोना वॉर्ड से बाहर थे।शुक्रवार को उनकी हालत अचानक बिगड़ी और उन्हें वेंटिलेटर पर रखना पड़ा।लॉस एंजिलिस ओलंपिक 1984 खेल चुके रविंदर ने विवाह नहीं किया था।उनकी एक भतीजी प्रज्ञा यादव है। वह 1979 जूनियर विश्व कप भी खेले थे औ हॉकी छोड़ने के बाद स्टेट बैंक से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी।बता दें कि सीतापुर में जन्में सेंटर हाफ सिंह ने 1979 से 1984 के बीच शानदार प्रदर्शन किया। दो ओलंपिक के अलावा वह 1980 और 1983 में चैम्पियंस ट्रॉफी, 1982 विश्व कप और 1982 एशिया कप भी खेल थे। पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी और कोच एमके कौशिक कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कामी रीता शेरपा ने 25वीं वार चढ़ी माउंट एवरेस्ट चढ़ाई

काठमांडू। नेपाल के 52 वर्षीय पर्वतारोही ने शुक्रवार को 25वीं बार दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत शिखर माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने में सफलता हासिल की। उन्होंने माउंट एवरेस्ट पर सबसे अधिक बार चढ़ने के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पर्वतारोहण के अभियान का आयोजन करने वाले सेवन समिट ट्रेक्स के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा ने कहा कि कामी रीता शेरपा ने 11 अन्य शेरपा का नेतृत्व करते हुए अभियान की शुरूआत की। यह दल शुक्रवार शाम को सफलतापूर्वक माउंट एवरेस्ट पर पहुंचा। कामी 2019 में 24वीं बार माउंट एवरेस्ट पर पहुंचे थे। 2019 में उन्होंने एक माह में ही दो बार माउंट एवरेस्ट पर पहुंचने की कामयाबी हासिल की थी। कामी ने मई 1994 को पहली बार माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की।

कुलदीप को टीम में शामिल नहीं करने पर आकाश चोपड़ा ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बीसीसीआई ने शुक्रवार को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। भारत के पूर्व बल्लेबाज और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कुलदीप यादव को इंग्लैंड दौरे और वर्ल्ड चैंपियनशिप के फाइनल में टीम इंडिया में शामिल नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई है। कुलदीप को ऑस्ट्रेलिया दौरे में कई खिलाड़ियों के चोटिल होने के बावजूद टीम में जगह नहीं मिली थी।

कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज में केवल एक टेस्ट मैच खेला था। इस मैच में वह विकेट के लिए संघर्ष करते दिखे थे। इसके बाद चाइनामैन गेंदबाज को आईपीएल 2021 में भी उन्हें कोलकाता नाइटराइर्ज़ की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। कुलदीप यादव को इंग्लैंड दौरे से बाहर किए जाने के लेकर आकाश चौपड़ा ने कहा कि ये कठोर कदम है। उन्होंने एक साक्षात्कार से कहा कि कि कुलदीप यादव का बहिष्कार थोड़ा कठोर है। उन्होंने बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने कहा इंग्लैंड के खिलाफ वह मात्र एक टेस्ट खेले। आखिर में उन्होंने विकेट लिए। पिंक बॉल टेस्ट उन्होंने नहीं खेला। अब वो पूरी सीरीज नहीं खेल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कुलदीप सिर्फ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल ही नहीं खेल रहे हैं, बल्कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज से भी बाहर हैं। कोविड 19 के समय जब आपके पास बड़े दल के साथ खेलने की सुविधा है तो कुलदीप यादव टीम में क्यों नहीं है। आपके पास चार स्पिनर हैं, अश्विन, जडेजा, सुंदर और अक्षर पटेल। ये चारों फिंगर स्पिनर हैं। ऐसे में एक कलाई का स्पिनर टीम में क्यों नहीं है, जबकि विपक्षी टीम ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करते हैं। हार्दिक पाड्या को टीम में शामिल करने पर आकाश ने कहा कि इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में ही तो उन्हें क्रिकेट खेलनी है। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में उनका न होना अलग बात है, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर होने का मतलब है कि वह लंबे समय तक न नजर आएं। उन्होंने कहा कि लगता है कि उनके साथ बॉलिंग का मुद्दा है। लेकिन जब वह बॉलिंग नहीं कर रहे थे, तब भी टीम का हिस्सा थे, जब इंग्लैंड यहां आई थी।

सीम गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को टीम में न शामिल करने पर उन्होंने कहा कि हो सकता है कि वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक फिट न होते, इसलिए आप चांस लेना नहीं चाहते। लेकिन अगर इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच हो और भुवी जैसा गेंदबाज हो तो उन्हें दो तीन टेस्ट में खिला सकते हैं। अगस्त सिंतबर में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज है और उनका नाम न होना आश्चर्यचकित करता है। पृथ्वी शॉ को लेकर उन्होंने कहा कि वह इस समय शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। पृथ्वी शॉ को खिलाना चाहिए था, जब इतना लंबा दौरा और बड़ा दल है। रन तो मयंक ने भी नहीं बनाए। शुभमन गिल ने भी बाद में रन नहीं बनाए।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स तुरंत अपना सामान बांध लें : सोनू सूद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल 2021 को कोरोना के कारण बीच में ही स्थगित करने के बाद खिलाड़ी अपने घर लौटने लगे हैं।

हालांकि विदेशी खिलाड़ियों को घर लौटने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अभी तक अपने घर नहीं लौट पाए हैं।कुछ भारत में ही ठहर गए, वहीं कुछ 15 मई तक यात्रा प्रतिबंध हटाए जाने तक मालदीव के लिए रवाना हो गए। इस बीच अभिनेता सोनू सूद ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स के लिए एक शानदार ट्वीट किया।

दरअसल सोशल मीडिया पर एक यूजर ने एक कार्टून पोस्ट किया, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी घर लौटने के लिए सोनू सूद से मदद मांगते नजर आ रहे हैं।

पोस्ट पर सोनू सूद ने मजेदार जवाब देकर कहा कि तुरंत अपना सामान बांध लो। कोरोना महामारी के इस मुश्किल समय में सोनू सूद मदद के लिए सबसे आगे रहे हैं। पिछले दिनों ही उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना की मदद की थी।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम सेफर्ट कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम सेफर्ट कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं जिस कारण ये खिलाड़ी अन्य के साथ अपने देश वापस नहीं लौट सका। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इस बात की जानकारी दी है। सीफर्ट अब अहमदाबाद में आइसोलेशन में रहेंगे और उन्हें चेन्नई स्थानांतरित कर दिया जाएगा जहां एक निजी अस्पताल में उनका इलाज होगा। इसके बाद उसे घर वापस भेजा जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक बयान में कहा, आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले सेफर्ट ने अपने पूर्व-प्रस्थान पीसीआर परीक्षणों में फेल हुए और इसके परिणामस्वरूप उन्हें क्वारंटाइन किया जाएगा। तत्काल सलाह है कि वह मध्यम लक्षणों का अनुभव कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, एक बार सेफर्ट के उपचार और अलगाव की वैधानिक अवधि से गुजरने के बाद और कोविड 1- के लिए नकारात्मक परीक्षण के बाद उसे वापस न्यूजीलैंड स्थानांतरित कर दिया जाएगा। जहां वह प्रबंधित अलगाव की 14-दिन की अवधि से गुजरेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड व्हाइट ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सेफर्ट को भारत में सबसे अच्छी चिकित्सा सेवा मिलेगी। व्हाइट ने कहा, यह टिम के लिए वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है और हम उसके लिए सब कुछ करेंगे जो हम कर सकते हैं, और उम्मीद है कि वह नकारात्मक परीक्षण करेगा और उसे ठीक होने के साथ ही मंजूरी दे दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा, समाचार प्राप्त करने के बाद से, हमने टिम के लिए संगठित समर्थन किया है और खिलाड़ियों के संघ के माध्यम से भी उनके परिवार के साथ संपर्क में हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे पूरी तरह से सूचित रहें और अपडेट रहें।

इंग्लैंड के किंग पावर स्टेडियम में इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल मैच के दौरान न्यूकैसल के पॉल ड्यूमेट ने अपनी टीम का दूसरा गोल किया।

46 साल बाद भारतीय टीम में चुने गए फारसी अर्जुन नागवासवाला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय वरिष्ठ चयन समिति ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम इंडिया की घोषणा की। इस टीम में स्टैंड बाय खिलाड़ियों में अर्जन नागवासवाला का नाम शामिल है। नागवासवाला 46 साल बाद भारतीय टीम में जगह पाने वाले पासरी बने हैं। इससे पहले सन 1975 में फारुख इंजीनियर भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा बने थे।

गुजरात के युवा तेज गेंदबाज अर्जन नागवासवाला वलसाड जिले के नारगोल गांव के रहने वाले हैं और साल 2018 में बड़ौदा के खिलाफ फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था। नागवासवाला उस समय चर्चा में आए थे, जब उन्होंने मुंबई के खिलाफ 5 विकेट चटकाए थे। उन्होंने 2019-20 रणजी ट्रॉफी सीजन के दौरान 18.36 पर 8 मैचों में 41 विकेट लिए थे।

मुंबई इंडियंस के साथ नेट गेंदबाज के रूप में चुनने के बाद नागवासवाला को जहीर खान से मिलने का मौका मिला था। उन्होंने कहा, वह (जहीर) आए और कहा कि मैं उनकी तरह गेंदबाजी करता हूं। यह दौरा मेरे लिए सीखने का एक शानदार अनुभव होगा और मैं इसके लिए तत्पर हूं। उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से हमारे समुदाय के लिए गर्व का क्षण होगा। जब से मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया, मैं हमेशा क्रिकेटर बनना चाहता था। मुझे पता है कि मेरे समुदाय की विरासत क्या रही है। आगे भी ऐसा ही करने की कोशिश करूंगा। उनकी गुजरात टीम के साथी प्रियांक पांचाल ने नागवास्वला की प्रमुख विशेषताओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा, सबसे अच्छी बात यह है कि वह गेंद को दोनों तरह से स्विंग करवा सकता है। उसी समय, वह लगातार 135 से उपर की गति से भी गेंद फैंक सकता है। वह घरेलू सर्किट के उन गेंदबाजों में से एक हैं जो घातक बाउंसर फेंकते हैं। तेज गेंदबाज आधे रास्ते के आसपास पिच को छोटा करके गेंदबाजी करते हैं, लेकिन अर्जन को आधे रास्ते और अच्छी लंबाई वाले क्षेत्र के बीच पिच करके उछाल मिल सकता है। उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में गेंदबाजी की, मुझे लगा कि कोई उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग के लिए चुनेगा लेकिन वह मुंबई इंडियंस के लिए एक नेट गेंदबाज के रूप में चले गए।